

## BPSC AEDO Practice Set Paper-1 GK

**Q.1** चालक तार पर PVC की परत चढ़ाकर \_\_\_\_\_ को रोका जाता है।

- A. फ्यूजिंग
- B. ओवरलोडिंग
- C. शॉर्ट-सर्किट
- D. ड्रिपिंग

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है: (C) शॉर्ट-सर्किट  
**स्पष्टीकरण:**

- चालक तारों पर **PVC (पॉलीविनाइल क्लोराइड)** की परत चढ़ाई जाती है, जो एक इंसुलेटिंग पदार्थ है।
- यह **दो तारों के बीच सीधे संपर्क** या मानवीय स्पर्श को रोकता है।
- इंसुलेशन के बिना, तार एक-दूसरे को छू सकते हैं और **शॉर्ट-सर्किट** का कारण बन सकते हैं, जिससे आग लगने का खतरा हो सकता है।
- पीवीसी सस्ता, टिकाऊ, ज्वाला-रोधी और एक अच्छा विद्युत रोधक है।
- इसलिए, **PVC कोटिंग विद्युत तारों की प्रणालियों में सुरक्षा सुनिश्चित करती है**।

**Information Booster:**

- **शॉर्ट-सर्किट** → यह तब होता है जब तारों के सीधे संपर्क के कारण धारा सामान्य पथ से हट जाती है।
- **फ्यूजिंग** → अत्यधिक धारा प्रवाहित होने पर फ्यूज पिघल जाता है, जिससे उपकरणों की सुरक्षा होती है।
- **ओवरलोडिंग** → यह तब होता है जब बहुत सारे उपकरण एक ही सर्किट से धारा खींचते हैं।
- **PVC इंसुलेशन बिजली के झटके और ऊर्जा की हानि को भी रोकता है**
- PVC के विकल्प: **रबर, टेफ्लॉन** (विशेष मामलों में प्रयुक्त)।

**Additional Knowledge:**

- **फ्यूजिंग - फ्यूज वायर** द्वारा नियंत्रित, PVC कोटिंग द्वारा नहीं।
- **ओवरलोडिंग - MCB (मिनिचर सर्किट ब्रेकर)** द्वारा रोका जाता है।
- **शॉर्ट-सर्किट** - तारों पर **पीवीसी कोटिंग/इंसुलेशन** द्वारा रोका जाता है।
- **ड्रिपिंग** - बिजली से संबंधित नहीं, यहाँ अप्रासंगिक।

**Q.2** नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (A) और दूसरा कारण (R) है।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:

अभिकथन (A): सामाजिक अनुबंध राज्य के निर्माण के लिए एक समझौता करने की विधि प्रस्तुत करता है।

कारण (R): यह प्राकृतिक अवस्था से नागरिक समाज की ओर संक्रमणकालीन अवधि को संदर्भित करता है।

- A. (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है
- B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- C. (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है
- D. (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

**Explanation:**

तर्क (R) सीधे तौर पर अभिकथन (A) का समर्थन करता है क्योंकि सामाजिक अनुबंध प्राकृतिक स्वतंत्रता से संगठित राजनीतिक सत्ता की ओर इस संक्रमण का वर्णन करता है। सामाजिक अनुबंध हॉब्स, लॉक और रूसो जैसे विचारकों द्वारा विकसित एक दार्शनिक अवधारणा है, जो राज्य के निर्माण के लिए व्यक्तियों के बीच समझौता करने की एक विधि प्रस्तुत करती है। यह व्याख्या करता है कि कैसे व्यक्ति प्राकृतिक अवस्था को छोड़ने के लिए सहमत होते हैं, जहाँ कोई संगठित सत्ता नहीं होती, और कानूनों और राजनीतिक संरचना द्वारा शासित नागरिक समाज में प्रवेश करते हैं।

**Information Booster:**

- हॉब्स ने अव्यवस्था को रोकने के लिए संप्रभु की पूर्ण सत्ता पर ज़ोर दिया।
- लॉक ने प्राकृतिक अधिकारों और सीमित सरकार पर ध्यान केंद्रित किया।
- रूसो ने सामान्य इच्छा और सामूहिक संप्रभुता पर ज़ोर दिया।
- सामाजिक अनुबंध की अवधारणा आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत और शासन में वैधता के विचार का आधार है।

**Q.3** अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिजर्व भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?

- A. केरल
- B. आंध्र प्रदेश
- C. कर्नाटक
- D. सिक्किम

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) केरल

**Explanation:**

- अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिजर्व = केरल-तमिलनाडु सीमा, पश्चिमी घाट।
- समृद्ध जैव विविधता, कनी जैसे आदिवासी समुदायों का निवास।

**Information Booster:**

- ऋषि अगस्त्य के नाम पर।
- यूनेस्को द्वारा पश्चिमी घाट विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त।

**Additional information (Other Options):**

- विकल्प (B) आंध्र प्रदेश** → इसमें पूर्वी घाट के वन हैं, अगस्त्यमलाई के नहीं।
- विकल्प (C) कर्नाटक** → इसमें नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व है।
- विकल्प (D) सिक्किम** → इसमें कंचनजंगा बायोस्फीयर रिजर्व है।

**Q.4** अंतिम शुंग शासक की मृत्यु के बाद कण्व वंश की स्थापना किसने की?

- A. डिमेट्रियस
- B. पुष्यमित्र
- C. वासुदेव
- D. मेनांडर

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर C है: वासुदेव

**व्याख्या**

शुंग दरबार के एक मंत्री वासुदेव ने अंतिम शुंग शासक देवभूति को अपदस्थ कर लगभग 73 ईसा पूर्व कण्व वंश की स्थापना की। इसने शुंग वंश के अंत और मगध में कण्व शासन के आरंभ को चिह्नित किया।

**मुख्य बिंदु**

- कण्व वंश ने 73 ईसा पूर्व से 28 ईसा पूर्व तक मगध पर शासन किया।
- वासुदेव मूल रूप से एक शुंग मंत्री थे जिन्होंने देवभूति की हत्या के बाद सत्ता संभाली।
- बाद में इस वंश को सातवाहनों ने उखाड़ फेंका।

**Additional Information**

- **डेमेट्रियस:** इंडो-यूनानी साम्राज्य का एक यूनानी शासक, कण्वों से संबंधित नहीं।
- **पुष्यमित्र:** शुंग वंश का संस्थापक, कण्व नहीं।
- **मेनांडर:** एक प्रसिद्ध इंडो-यूनानी राजा, जो बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए जाना जाता था।

**Q.5** जगदीशपुर (बिहार) में 1857 के विद्रोह का नेता कौन था?

- A. कुंवर सिंह
- B. नाना साहिब

Adda247

# Test Prime

**ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION**



**1,00,000+**  
Mock Tests



Personalised  
Report Card



Unlimited  
Re-Attempt



**600+**  
Exam Covered



**25,000+** Previous  
Year Papers



**500%**  
Refund



**ATTEMPT FREE MOCK NOW**

- C. ठाकुर कुशल सिंह  
D. रानी लक्ष्मी बाई

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर (a) कुंवर सिंह है।  
**स्पष्टीकरण:**

- बिहार के जगदीशपुर के ज़मींदार कुंवर सिंह, 1857 के विद्रोह के सबसे उल्लेखनीय नेताओं में से एक थे।
- 80 वर्ष की आयु होने के बावजूद, उन्होंने पूर्वी भारत में ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई में एक साहसी और रणनीतिक भूमिका निभाई।

**Information Booster:**

- उन्होंने बिहार में विद्रोही ताकतों का नेतृत्व किया और उन्हें बिहार के स्वतंत्रता संग्राम में एक नायक माना जाता है।
- उन्होंने आरा और आजमगढ़ सहित कई लड़ाइयों में ब्रिटिश सेना को पराजित किया।
- गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी, उन्होंने 1858 में अपनी अंतिम सांस तक अपने सैनिकों का नेतृत्व जारी रखा।

**Additional Knowledge:**

(विकल्प b) नाना साहिब

- बिहार में नहीं, बल्कि कानपुर (उत्तर प्रदेश) में विद्रोह का नेतृत्व किया।

(विकल्प c) ठाकुर कुशल सिंह

- राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में विद्रोह का नेतृत्व किया, जगदीशपुर में नहीं।

(विकल्प d) रानी लक्ष्मी बाई

- झांसी (उत्तर प्रदेश) में विद्रोह का नेतृत्व किया; 1857 के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में से एक, लेकिन बिहार से संबंधित नहीं।

**Q.6** निम्नलिखित में से कौन सी SI मात्रक नहीं है?

- A. ओम  
B. एम्पीयर  
C. न्यूटन  
D. कैलोरी

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर: D  
**स्पष्टीकरण:**

- कैलोरी एक SI मात्रक नहीं है; यह ऊर्जा का मात्रक है जिसका उपयोग अभी भी पोषण जैसे कुछ क्षेत्रों में किया जाता है।
- ऊर्जा का SI मात्रक जूल (J) है।
- 1 कैलोरी = 4.184 जूल।
- **Information Booster:**
  - SI मात्रक पद्धति (अंतर्राष्ट्रीयमात्रक पद्धति) में 7 आधार मात्रक हैं: मीटर (m), किलोग्राम (kg), सेकंड (s), एम्पीयर (A), केल्विन (K), मोल (mol), कैडेला (cd)।
  - व्युत्पन्न SI मात्रकों में शामिल हैं: बल के लिए न्यूटन (N), प्रतिरोध के लिए ओम (Ω), ऊर्जा।
  - SI मात्रक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकरूपता और मानकीकरण सुनिश्चित करती हैं।
- **Additional Knowledge:**
  - ओम: विद्युत प्रतिरोध का SI मात्रक।
  - एम्पीयर: विद्युत धारा का SI मात्रक।
  - न्यूटन: बल का SI मात्रक।
  - कैलोरी: गैर-SI मात्रक; SI प्रणाली में जूल द्वारा प्रतिस्थापित।

**Q.7** निम्नलिखित में से कौन सी दक्षिण अटलांटिक महासागर की ठंडी धारा है?

- A. बेंगुएला करंट
- B. अगुलहास करंट
- C. ब्राज़ील करंट
- D. इनमें से कोई नहीं

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) बेंगुएला धारा

**स्पष्टीकरण:**

बेंगुएला धारा = नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के तट के साथ उत्तर की ओर बहने वाली ठंडी धारा।

**Information Booster:**

→ समृद्ध मत्स्य पालन (अपवेलिंग ज़ोन) के लिए उत्तरदायी।

**Additional information (अन्य विकल्प):**

**विकल्प (B) अगुलहास धारा** → गर्म धारा (हिंद महासागर)।

**विकल्प (C) ब्राज़ील धारा** → गर्म धारा (दक्षिण अटलांटिक)।

**Q.8** अधिकांश अशोक शिलालेख \_\_\_\_\_ भाषा में थे, जबकि उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में अरामी और ग्रीक में थे।

- A. पाली
- B. संस्कृत
- C. प्राकृत
- D. तमिल

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है: (C) प्राकृत

**स्पष्टीकरण:**

- अशोक के अधिकांश शिलालेख प्राकृत में लिखे गए थे, जो उनके शासनकाल के दौरान आम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा थी।
- मौर्य सम्राट अशोक ने अपने अधिकांश शिलालेखों के लिए ब्राह्मी लिपि में लिखी प्राकृत भाषा का प्रयोग किया था, क्योंकि उस समय भारतीय उपमहाद्वीप की जनता इसे समझती थी।
- उनके साम्राज्य के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में, ग्रीक भाषी क्षेत्रों के प्रभाव और हेलेनिस्टिक संस्कृतियों के साथ अंतर्क्रिया के कारण अरामी और ग्रीक भाषाओं का प्रयोग किया जाता था।

**Information Booster:**

- प्राकृत एक स्थानीय भाषा थी और प्राचीन भारत में, विशेषकर मौर्य साम्राज्य में इसका व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता था।
- अशोक के शिलालेख मुख्यतः स्तंभों और चट्टानों पर उत्कीर्ण किये गये थे।
- अशोक के कुछ पश्चिमी शिलालेख वास्तव में अरामी और ग्रीक में लिखे गए थे, जो हेलेनिस्टिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को दर्शाते हैं।

**अतिरिक्त ज्ञान:**

- पाली → बौद्ध धर्मग्रंथों की भाषा थी लेकिन अशोक के शिलालेखों की प्राथमिक भाषा नहीं थी।
- संस्कृत → यद्यपि भारत में इसका व्यापक प्रयोग होता था, फिर भी यह अधिक औपचारिक और साहित्यिक थी और अशोक के शिलालेखों की सामान्य भाषा नहीं थी।
- तमिल → भारत के दक्षिणी भाग में प्रयोग की जाती थी लेकिन अशोक के शिलालेखों की प्राथमिक भाषा नहीं थी।

**Q.9** किस रिट का शाब्दिक अर्थ "हम आदेश देते हैं" है?

- A. बंदी प्रत्यक्षीकरण
- B. अधिकार पृच्छा
- C. परमादेश
- D. प्रतिषेध

Answer: C

**Sol:** सही उत्तर: (C) परमादेश

**Explanation:**

परमादेश रिट का शाब्दिक अर्थ है "हम आदेश देते हैं"। यह उच्च न्यायालय द्वारा निचली अदालत, न्यायाधिकरण या सार्वजनिक प्राधिकरण को जारी किया जाता है, जिसमें उन्हें कानूनी रूप से अपेक्षित कर्तव्य निभाने का आदेश दिया जाता है। इस रिट का उपयोग किसी प्राधिकरण को उसके कानूनी दायित्वों को पूरा करने के लिए बाध्य करने के लिए किया जाता है, जब वह ऐसा करने में विफल रहता है।

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (A) बंदी प्रत्यक्षीकरण:** इस रिट का अर्थ है "आपको शव प्राप्त होगा", और इसका उपयोग उस व्यक्ति को अदालत में पेश करने के लिए किया जाता है जिसे गैरकानूनी रूप से हिरासत में लिया गया हो।

**विकल्प (B) अधिकार पृच्छा:** इस रिट का अर्थ है "किस प्राधिकारी द्वारा", और इसका उपयोग किसी व्यक्ति के सार्वजनिक पद के दावे की वैधता को चुनौती देने के लिए किया जाता है।

**विकल्प (D) प्रतिषेध:** यह रिट किसी प्राधिकारी को उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर कार्य करने या कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने से रोकने के लिए जारी की जाती है।

**Q.10** बिहार में पहली बार राष्ट्रपति शासन कब लगाया गया था?

- A. 1968
- B. 1965
- C. 1970
- D. 1969

Answer: A

**Sol:** सही उत्तर (a) 1968 है

Explanation (व्याख्या):

- बिहार में राष्ट्रपति शासन पहली बार 29 जून 1968 को लगाया गया था, जब गठबंधन सरकार गिर गई थी।
- यह शासन राजनीतिक अस्थिरता के कारण लगाया गया था, क्योंकि कोई भी पार्टी या स्थिर गठबंधन सरकार बनाने में सक्षम नहीं था।
- उस समय के राज्यपाल नित्यानंद काणूनगो थे।
- जिस मुख्यमंत्री की सरकार गिरी थी, वे भोला पासवान शास्त्री थे।
- यह राष्ट्रपति शासन 26 फरवरी 1969 तक चला।

Information Booster:

- भारत में राष्ट्रपति शासन संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत लगाया जाता है।
- यह प्रावधान केंद्र सरकार को राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था सीधे अपने नियंत्रण में लेने की अनुमति देता है जब राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाए।
- राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए संसद के दोनों सदनों की मंजूरी आवश्यक होती है।
- बिहार में अब तक कुल 8 बार राष्ट्रपति शासन लगाया जा चुका है।

Additional Knowledge:

1965 (विकल्प b)

- 1965 में बिहार में राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया गया था।

1970 (विकल्प c)

- बिहार में दूसरी बार राष्ट्रपति शासन 1969-1970 के दौरान लगाया गया (विशेष रूप से 4 जुलाई 1969 से 16 फरवरी 1970 तक)।

1969 (विकल्प d)

- पहला राष्ट्रपति शासन फरवरी 1969 में समाप्त हुआ था। दूसरा जुलाई 1969 में शुरू हुआ था।
- वर्ष 1969 में बिहार में पहला राष्ट्रपति शासन समाप्त हुआ और दूसरा शुरू हुआ।

**Q.11** द मॉडर्न स्टेट पुस्तक के लेखक कौन हैं?

- A. आर. एम. मैकाइवर
- B. मैकियावेली
- C. ओपेनहाइमर
- D. एम. पी. फोलेट

Answer: A

**Sol:** सही उत्तर: (A) आर. एम. मैक्लिवर

**Explanation:**

आर. एम. मैकाइवर, एक प्रमुख समाजशास्त्री और राजनीतिशास्त्री, ने "द मॉडर्न स्टेट" की रचना की।

इस पुस्तक में, उन्होंने आधुनिक राज्य की प्रकृति, संरचना और कार्यों का विश्लेषण किया और इसके सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी आयामों पर ज़ोर दिया। उन्होंने राज्य को एक संगठित समाज के रूप में देखा, जिसके पास व्यवस्था, न्याय और कल्याण बनाए रखने के लिए अधिकार, शक्ति और ज़िम्मेदारी है।

मैकाइवर ने राज्य को समाज से अलग करते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि राज्य के पास बाध्यकारी शक्ति होती है, जो ज़रूरी नहीं कि समाज के पास हो। उन्होंने एक आधुनिक राज्य को परिभाषित करने में संप्रभुता, कानून, प्रशासन और नागरिक भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया। **Information Booster:**

→ मैकाइवर की अवधारणा ने बाद के विचारकों जैसे हेरोल्ड लास्की को प्रभावित किया, जिन्होंने सामाजिक कल्याण और लोकतंत्र में राज्य की भूमिका पर ज़ोर दिया।

→ मैकाइवर के अनुसार, आधुनिक राज्य के तीन आवश्यक तत्व: जनसंख्या, क्षेत्र और संगठित सरकार हैं।

→ उनका कार्य अन्य विचारकों से भिन्न है: मैकियावेली ने शक्ति रणनीति और राजनीतिक यथार्थवाद पर ध्यान केंद्रित किया, ओपेनहाइमर ने राजनीतिक दर्शन और अधिकार पर,

और एम. पी. फोलेट ने संगठनात्मक नेतृत्व और प्रबंधन सिद्धांत पर।

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (B) मैकियावेली:** इतालवी पुनर्जागरण विचारक, द प्रिंस और डिस्कॉर्सेस के लेखक लिवी पर। राजनीतिक यथार्थवाद, नेतृत्व, कूटनीति और शक्ति रणनीतियों पर केंद्रित।

**विकल्प (C):** राजनीतिक दर्शन में योगदान दिया, राज्य के प्राधिकार, वैधता और शासन पर चर्चा की।

**विकल्प (D):** प्रबंधन और संगठनात्मक सिद्धांतकार, नेतृत्व, अधिकार, समूह गतिशीलता और संघर्ष समाधान पर केंद्रित।

**Q.12** बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (बीजेआरसीवाई) \_\_\_\_\_ छात्रों के लिए छात्रावासों के निर्माण से संबंधित है।

- A. OBC
- B. SC
- C. ST
- D. EWS

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: (b) SC

**व्याख्या:**

- बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (BJRCY) विशेष रूप से अनुसूचित जाति (SC) छात्रों के लिए छात्रावासों के निर्माण हेतु बनाई गई है।
- इस योजना का उद्देश्य SC समुदाय के छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनुकूल वातावरण में आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना है।
- इस योजना से वंचित तबके के छात्रों को शैक्षणिक संस्थानों के पास सस्ती एवं सुरक्षित रहने की सुविधा मिलती है, जिससे उनकी शिक्षा तक पहुँच आसान होती है।

**Information Booster:**

- यह योजना बाबू जगजीवन राम के नाम पर रखी गई है, जो एक प्रमुख नेता और समाज सुधारक थे तथा उन्होंने अनुसूचित जाति और अन्य वंचित समुदायों के उत्थान के लिए कार्य किया।
- इस परियोजना से SC छात्रों को शिक्षा में समान अवसर मिलते हैं, जिससे उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन में सफलता की संभावनाएँ बढ़ती हैं।

**Additional Knowledge:**

- (a) **OBC – OBC (Other Backward Classes)** छात्रों के लिए अलग योजनाएँ हैं, लेकिन BJRCY विशेष रूप से SC छात्रों के लिए है।
- (c) **ST – ST (Scheduled Tribes)** छात्रों को आदिवासी कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ मिलता है, लेकिन BJRCY उनके लिए नहीं है।
- (d) **EWS – EWS (Economically Weaker Sections)** छात्रों के लिए अन्य छात्रवृत्ति या आवास योजनाएँ होती हैं, लेकिन BJRCY केवल SC छात्रों हेतु है।

**Q.13** गोवा पर पुर्तगालियों ने कब्जा किस वर्ष किया था?

- A. 1516
- B. 1512
- C. 1515
- D. 1510

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर है: (D) 1510

**स्पष्टीकरण:**

- अफोंसो डी अल्बुकर्क के नेतृत्व में पुर्तगालियों ने 1510 में गोवा पर कब्जा कर लिया।
- गोवा को यूसुफ आदिल शाह के नेतृत्व वाली बीजापुर सल्तनत से छीन लिया गया था।
- यह कोचीन की जगह पुर्तगाली भारत की राजधानी बना।
- इसने गोवा में 450 से ज़्यादा वर्षों के पुर्तगाली शासन की शुरुआत की।
- गोवा 1961 में भारत द्वारा आज़ाद होने तक पुर्तगाली नियंत्रण में रहा।

**Information Booster:**

- पुर्तगाली भारत में एक मज़बूत औपनिवेशिक उपस्थिति स्थापित करने वाले पहले यूरोपीय थे।
- वास्को डी गामा ने 1498 में भारत के लिए समुद्री मार्ग (कालीकट) की खोज की।
- गोवा एस्टाडो दा इंडिया (पुर्तगाली औपनिवेशिक सरकार) का मुख्यालय था।
- पुर्तगालियों ने भारत में काजू, तंबाकू और अनानास जैसी फ़सलें उगाईं।
- भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन विजय के बाद 19 दिसंबर 1961 को पुर्तगाली शासन समाप्त हो गया।

भारत में यूरोपीय बस्तियों की समयरेखा

**पुर्तगाली**

- 1498: वास्को डी गामा कालीकट (केरल) पहुँचे।
- 1505: फ्रांसिस्को डी अल्मेडा पहले पुर्तगाली वायसराय बने।
- 1510: अफोंसो डी अल्बुकर्क ने गोवा पर कब्जा किया (पुर्तगाली भारत की राजधानी बनाया गया)।
- 1530: गोवा को पुर्तगाली भारत की आधिकारिक राजधानी घोषित किया गया।

- 1535: दीव का अधिग्रहण किया।
- 1612: स्वामी के युद्ध में पुर्तगालियों की अंग्रेजों द्वारा हार हुई।
- **डच (नीदरलैंड)**
- 1605: मसूलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) में पहला डच कारखाना।
- 1610: पुलिकट में कारखाना (मुख्यालय बनाया गया)।
- 1656: पुर्तगालियों से श्रीलंका पर कब्ज़ा।
- 1661: सूरत में कारखाना।
- 1690: चिनसुरा (बंगाल) में कारखाना।
- 1759: बेदारा के युद्ध में अंग्रेजों से पराजित, भारत में डच सत्ता का अंत।

#### अंग्रेज़ (ब्रिटिश)

- 1600: महारानी एलिजाबेथ प्रथम द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना।
- 1608: कैप्टन विलियम हॉकिन्स सूरत पहुँचे।
- 1615: सर थॉमस रो ने जहाँगीर से व्यापार के लिए फ़रमान प्राप्त किया।
- 1619: सूरत में पहला कारखाना स्थापित।
- 1639: मद्रास (फोर्ट सेंट जॉर्ज) का अधिग्रहण।
- 1668: पुर्तगालियों से बम्बई का अधिग्रहण।
- 1690: जॉब चार्नाक ने कलकत्ता की स्थापना की।
- 1757: प्लासी का युद्ध - भारत में ब्रिटिश राजनीतिक शासन की शुरुआत।
- 1764: बक्सर का युद्ध - ब्रिटिश शक्ति का सुदृढ़ीकरण।

#### फ़्रांसीसी

- 1664: कोलबर्ट द्वारा फ़्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना।
- 1668: सूरत में पहली फ़्रांसीसी फ़ैक्टरी।
- 1674: पांडिचेरी (मुख्यालय) की स्थापना।
- 1690: चंद्रनगर (बंगाल) का अधिग्रहण।
- 1741-1763: अंग्रेज़ों के साथ कर्नाटक युद्ध।
- 1761: अंग्रेज़ों ने पांडिचेरी पर कब्ज़ा कर लिया (बाद में 1763 की पेरिस संधि में वापस लौट आए)।
- 1793: क्रांतिकारी फ़्रांस के साथ युद्धों के दौरान, अंग्रेज़ों ने फिर से फ़्रांसीसी संपत्ति पर कब्ज़ा कर लिया।
- 1816: पेरिस की संधि द्वारा बहाल, लेकिन फ़्रांसीसी प्रभाव कमजोर हो गया।

**Q.14** भारत के निम्नलिखित में से किस केंद्र शासित प्रदेश ने 2011 में सर्वोच्च साक्षरता दर दर्ज की?

- लक्षद्वीप
- दमन और दीव
- चंडीगढ़
- पुदुचेरी

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) लक्षद्वीप

#### Explanation:

- साक्षरता दर (2011 की जनगणना):
- लक्षद्वीप - 91.85%
- चंडीगढ़ - 86.43%
- पुदुचेरी - 85.85%
- दमन और दीव - 87.07%

#### Information Booster:

- लक्षद्वीप की साक्षरता दर केरल के शैक्षिक प्रभाव के कारण है।
- केरल = राज्यों में सबसे ज़्यादा साक्षरता दर (93.91%)।
- बिहार = सबसे कम साक्षरता दर (61.8%)।

**Q.15** \_\_\_\_\_ पौधों के बीजों में खाद्य भंडार के रूप में कार्य करता है।

- बीजांड
- मूलांकुर
- प्लाम्यूल
- बीजपत्र

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर (d) बीजपत्र है  
स्पष्टीकरण:

- बीजपत्र को बीजपत्री भी कहा जाता है।
- ये द्विबीजपत्री बीजों (जैसे, सेम, मटर, चना) में भोजन भंडारण अंग के रूप में कार्य करते हैं।
- बीजपत्रों में संग्रहीत भोजन अंकुरण के दौरान भ्रूण को तब तक पोषण देता है जब तक कि अंकुर प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना भोजन स्वयं नहीं बना लेता है।
- एकबीजपत्री पौधों (जैसे, मक्का, गेहूँ) में, भोजन मुख्यतः एंडोस्पर्म, और बीजपत्र (स्कुटेलेम) इसे अवशोषित कर लेता है।

इस प्रकार, बीजपत्र प्रारंभिक अंकुर वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**Information Booster:**

- मूलांकुर → जड़ में विकसित होता है।
- प्लम्यूल → अंकुर में विकसित होता है।
- बीजांड → निषेचन के बाद, बीज में विकसित होता है।
- बीजपत्र → विकासशील भ्रूण के लिए भोजन का भंडारण या अवशोषण।
- बीज मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं: एकबीजपत्री और द्विबीजपत्री।

**Additional Knowledge:**

- बीजांड → निषेचन के बाद बीज बन जाता है।
- मूलांकुर → अंकुरण के दौरान निकलने वाला पहला अंग।
- प्लम्यूल → प्ररोह तंत्र (तना + पत्तियाँ) बन जाता है।
- बीजपत्र → जिन्हें "बीजपत्री" कहा जाता है, पौधों (एकबीजपत्री/द्विबीजपत्री) को वर्गीकृत करने के लिए प्रयुक्त संख्या।

**Q.16** सूचना का अधिकार लागू करने वाला विश्व का पहला देश था:

- नॉर्वे
- स्वीडन
- U.S.A.
- फिनलैंड

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) स्वीडन

**Explanation:**

स्वीडन 1766 के प्रेस स्वतंत्रता अधिनियम के माध्यम से सूचना का अधिकार (आरटीआई) लागू करने वाला पहला देश था। इस अधिनियम ने जनता को सरकारी दस्तावेजों तक पहुँच प्रदान की, जिससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही की नींव पड़ी।

**Information Booster:**

**भारत:** ने 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) पारित किया।

**संयुक्त राज्य अमेरिका:** सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम (एफओआईए) 1966 में लागू किया गया था।

**यूनाइटेड किंगडम:** सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम (एफओआईए) 2000

**ऑस्ट्रेलिया:** सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम (एफओआई) 1982

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (A) नॉर्वे:** नॉर्वे में मज़बूत पारदर्शिता कानून हैं, लेकिन सूचना का अधिकार लागू करने वाला यह पहला देश नहीं था।

**विकल्प (C) U.S.A.:** अमेरिका ने 1966 में सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम (FOIA) पारित किया, जो स्वीडन के प्रेस की स्वतंत्रता अधिनियम से बहुत बाद में पारित हुआ।

**विकल्प (D) फ़िनलैंड:** फ़िनलैंड अपनी उच्च स्तर की पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए जाना जाता है, लेकिन सूचना का अधिकार लागू करने वाला यह पहला देश नहीं था।

**Q.17** हड़प्पा संस्कृति की सबसे पूर्वी सीमा थी-

- A. रोपड़
- B. संघोल
- C. आलमगीरपुर
- D. राखीगढ़ी

**Answer:** C

**Sol: Correct Answer: (C)**

**Explanation:**

- आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश) को हड़प्पा सभ्यता का सबसे पूर्वी स्थल माना जाता है।
- यह हड़प्पाकालीन मिट्टी के बर्तनों की निरंतरता को दर्शाता है।

**Additional Information(Other Options):**

- रोपड़ (पंजाब): उत्तरी स्थल।
- संघोल (पंजाब): महत्वपूर्ण हड़प्पा स्थल।
- राखीगढ़ी (हरियाणा): भारत का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल, लेकिन सबसे पूर्वी नहीं।

**Q.18** किस पत्रकार ने 'ब्रॉडकास्ट/डिजिटल (हिंदी)' के लिए रामनाथ गोयनका पुरस्कार 2026 जीता?

- A. अवधेश अकोदिया
- B. सर्वप्रिय सांगवान
- C. श्रेया चटर्जी
- D. अरविंद ओझा

**Answer:** B

**Sol: सही उत्तर है (b) सर्वप्रिय सांगवान**

**व्याख्या:**

- बीबीसी न्यूज़ हिंदी के साथ काम करने वाली **सर्वप्रिय सांगवान** ने **ब्रॉडकास्ट/डिजिटल (हिंदी)** के लिए 2026 का पुरस्कार जीता।
- यह श्रेणी हिंदी भाषा में **दृश्य-श्रव्य कहानी कहने** और डिजिटल रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता को सम्मानित करती है।
- उनकी रिपोर्टिंग को जटिल सामाजिक मुद्दों की **स्पष्टता, सहानुभूति और वस्तुनिष्ठ विश्लेषण** के लिए पहचाना जाता है।
- डिजिटल युग में, यह पुरस्कार YouTube और सोशल मीडिया जैसे प्लेटफॉर्म पर **विश्वसनीय हिंदी पत्रकारिता** के महत्व को रेखांकित करता है।
- बीबीसी न्यूज़ हिंदी प्लेटफॉर्म विशाल हिंदी भाषी आबादी को **तथ्य-आधारित समाचार** प्रदान करने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

**Information Booster:**

- भारत में इस भाषा की व्यापक पहुंच के कारण आरएनजी पुरस्कारों में **हिंदी पत्रकारिता** सबसे प्रतिस्पर्धी खंडों में से एक है।
- पुरस्कारों में **प्रिंट और ब्रॉडकास्ट/डिजिटल** के बीच अंतर किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वीडियो वृत्तचित्र जैसे विशिष्ट प्रारूपों का निष्पक्ष रूप से निर्णय लिया जाए।

**Additional Information:**

- **अवधेश अकोदिया** (विकल्प a): **प्रिंट (हिंदी)** के लिए जीता, ब्रॉडकास्ट के लिए नहीं।
- **श्रेया चटर्जी** (विकल्प c): **खोजी रिपोर्टिंग (ब्रॉडकास्ट)** और **नागरिक पत्रकारिता** सहित कई श्रेणियों में जीत हासिल की।
- **अरविंद ओझा** (विकल्प d): India Today के लिए श्रेया चटर्जी के साथ **नागरिक पत्रकारिता (ब्रॉडकास्ट)** पुरस्कार साझा किया।

**Q.19** उपन्यास *हरा पारबती कथा* के लिए सरस्वती सम्मान 2025 के लिए किसे चुना गया है?

- A. अमिताव घोष
- B. रामकुमार मुखोपाध्याय
- C. महाश्वेता देवी
- D. सुनील गंगोपाध्याय

**Answer:** B

**Sol: उत्तर (b) रामकुमार मुखोपाध्याय**

**व्याख्या:**

प्रख्यात बंगाली लेखक **रामकुमार मुखोपाध्याय** को उनके उपन्यास *हरा पारबती कथा* (2020) के लिए **35वें सरस्वती सम्मान (2025)** के लिए चुना गया, जो भारतीय साहित्य में उनके योगदान को मान्यता देता है।

- **किसी भारतीय भाषा में उत्कृष्ट साहित्यिक कृति** के लिए दिया गया
- यह उपन्यास **पात्रता वाली 10 साल की प्रकाशन अवधि** के भीतर आता है
- **क्षेत्रीय साहित्य, विशेष रूप से बंगाली** के महत्व को उजागर करता है

**Information Booster**

- सरस्वती सम्मान भारत के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों में से एक है।
- **1991 में के. के. बिड़ला फाउंडेशन** द्वारा स्थापित
- इसका नाम **देवी सरस्वती (ज्ञान और विद्या)** के नाम पर रखा गया है
- **आठवीं अनुसूची की 22 भाषाओं** में कृतियों के लिए प्रदान किया जाता है
- इसमें **₹15 लाख का नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और पट्टिका** शामिल है

**Q.20** भारत सरकार के प्रथम विधि अधिकारी कौन हैं?

- A. विधि सचिव
- B. सॉलिसिटर जनरल
- C. अटॉर्नी जनरल
- D. विधि एवं न्याय मंत्री

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (c) अटॉर्नी जनरल है।

**Explanation:**

- अटॉर्नी जनरल भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के तहत भारत के राष्ट्रपति द्वारा उसकी नियुक्ति की जाती है।
- अटॉर्नी जनरल कानूनी मामलों में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करता है, कानूनी मुद्दों पर सरकार को सलाह देता है, और सरकार की ओर से सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में पेश होता है।
- अटॉर्नी जनरल कानून को बनाए रखने और सरकार को कानूनी राय देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर संवैधानिक व्याख्या और नीति से संबंधित मामलों में।
- कानूनी अधिकार की दृष्टि से अटॉर्नी जनरल का पद भारत के मुख्य न्यायाधीश के समकक्ष है, लेकिन सरकार का प्रतिनिधित्व करने में इसकी एक विशिष्ट भूमिका होती है।

**Information Booster:**

- अटॉर्नी जनरल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित कार्यकाल के लिए की जाती है, जो आमतौर पर सत्ता में रहने वाली सरकार के कार्यकाल तक रहता है।
- अटॉर्नी जनरल सरकार को किसी भी कानूनी मामले में सलाह दे सकता है, लेकिन कैबिनेट मंत्री की तरह सरकार के दैनिक कामकाज में शामिल नहीं होता है।

**Additional Knowledge:**

(a) विधि सचिव:

- विधि सचिव एक वरिष्ठ अधिकारी होता है जो विधि एवं न्याय मंत्रालय में कार्य करता है और प्रशासनिक कानूनी मामलों पर सलाह देता है, लेकिन वह प्रथम विधि अधिकारी नहीं होता।
- विधि सचिव कानूनी सुधारों का समर्थन करता है और गैर-न्यायिक मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व करता है।

(b) सॉलिसिटर जनरल:

- सॉलिसिटर जनरल, अटॉर्नी जनरल की सहायता करता है और अदालतों में सरकार का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन अटॉर्नी जनरल के पास प्राथमिक कानूनी ज़िम्मेदारी होती है।
- सॉलिसिटर जनरल की भूमिका व्यापक कानूनी सलाह देने के बजाय विशिष्ट कानूनी मामलों पर अधिक केंद्रित होती है।

(d) विधि एवं न्याय मंत्री:

- विधि एवं न्याय मंत्री एक राजनीतिक व्यक्ति होता है जो विधि एवं न्याय मंत्रालय के कामकाज की देखरेख के लिए ज़िम्मेदार होता है।
- कानूनी नीति और विधान में प्रभावशाली होने के बावजूद, मंत्री सरकार का मुख्य कानूनी सलाहकार नहीं होता।

**Q.21** ऋग्वेद में 1028 सूक्त हैं, जिन्हें \_\_\_\_\_ नामक दस पुस्तकों में व्यवस्थित किया गया है।

- A. मंडल
- B. पदपाठ
- C. अनुदात्त
- D. सूक्त

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: **A) मंडल**

**स्पष्टीकरण:**

- ऋग्वेद में **1028 सूक्त** हैं।
- इन भजनों को **10 भागों में व्यवस्थित किया गया है जिन्हें मंडल (पुस्तकें) कहा जाता है।**
- प्रत्येक मंडल में अग्नि, इंद्र, वरुण आदि विभिन्न देवताओं की स्तुति में रचित कई **सूक्त (भजन)** हैं।
- यह व्यवस्था **धार्मिक और कालानुक्रमिक** दोनों है, जिसमें परिवार आधारित विभाजन है।

**Information Booster:**

- ऋग्वेद सबसे **प्राचीन वेद** है, जो प्रारंभिक संस्कृत में रचित है।
- यह **श्रुति (सुना हुआ ज्ञान)** की श्रेणी में आता है।
- मंडल 2-7 को **पारिवारिक पुस्तकें** कहा जाता है, जो विशिष्ट ऋषि परिवारों से संबंधित हैं।
- ऋग्वेद में **भूगोल, नदियों और सामाजिक जीवन** का भी उल्लेख मिलता है।

- इसे विश्व की सबसे प्राचीन साहित्यिक कृति माना जाता है।

#### अतिरिक्त ज्ञान:

- **पदपाठ**- पाठ की एक विधि जो स्पष्टता के लिए वैदिक छंदों को अलग-अलग शब्दों में तोड़ती है।
- **अनुदात्त** - वैदिक मंत्रोच्चार में प्रयुक्त एक प्रकार का उच्चारण चिह्न, जिसका अर्थ है *बिना उठाया गया स्वर*।
- **सूक्त** - स्वयं स्तोत्र; ऋग्वेद के 1028 स्तोत्र सामूहिक रूप से मंडलों में विभाजित हैं।

**Q.22** बादलों का सफेद रंग में दिखना \_\_\_\_\_ की घटना के कारण होता है।

- प्रकाश का परावर्तन
- प्रकाश का प्रकीर्णन
- प्रकाश का अपवर्तन
- विकिरण

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: **(B) प्रकाश का प्रकीर्णन**  
**स्पष्टीकरण:**

- बादलों में **पानी की छोटी बूंदें और बर्फ के क्रिस्टल** होते हैं।
- ये कण अलग-अलग आकार के होते हैं, जो दृश्य प्रकाश की तरंगदैर्घ्य के बराबर होते हैं।
- वे **सूर्य के प्रकाश के सभी रंगों को लगभग समान रूप से** प्रकीर्णित करते हैं (मी स्कैटरिंग)।
- जब सभी तरंगदैर्घ्य समान रूप से बिखर जाते हैं, तो संयुक्त प्रभाव **सफेद** दिखाई देता है।
- इसलिए बादल सफेद रंग के दिखते हैं।

#### Information Booster:

- **आकाश का नीला रंग** → **रेले प्रकीर्णन** के कारण (कम तरंगदैर्घ्य, नीला प्रकाश अधिक प्रकीर्णित होता है)।
- **सफेद बादल** → **माई बिखराव** के कारण (सभी तरंगदैर्घ्य समान रूप से बिखर जाते हैं)।
- सूर्यास्त के समय, कम तरंगदैर्घ्य के प्रकीर्णन तथा सूर्य के प्रकाश के लंबे पथ के कारण आकाश लाल दिखाई देता है।
- बड़ी बूंदें तरंगदैर्घ्य को प्राथमिकता दिए बिना प्रकाश को बिखेरती हैं → सफेद रंग।
- कभी-कभी घने बादल भूरे/काले दिखाई देते हैं, क्योंकि सूर्य का प्रकाश पूरी तरह से उनमें से होकर नहीं गुजर पाता।

#### अतिरिक्त ज्ञान:

- **प्रकाश का परावर्तन:** दर्पण में प्रतिबिंब उत्पन्न करता है, बादल का रंग नहीं।
- **प्रकाश का प्रकीर्णन:** सही, सफेद बादलों की व्याख्या करता है।
- **प्रकाश का अपवर्तन:** इंद्रधनुष के लिए जिम्मेदार, बादलों की सफेदी के लिए नहीं।
- **विकिरण:** ऊर्जा का उत्सर्जन, जो बादलों के रंग से असंबंधित है।

**Q.23** हुमायूनामा का लेखक कौन है?

- A. गुलबदन बेगम
- B. अमीर खुसरो
- C. अबुल फज़ल
- D. बदायुनी

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर (a) गुलबदन बेगम है।

**स्पष्टीकरण:**

- सम्राट हुमायूँ की बहन गुलबदन बेगम, हुमायूँनामा की लेखिका हैं। यह पुस्तक उनके भाई हुमायूँ जो दूसरे मुगल सम्राट थे, का संस्मरण है।
- हुमायूँनामा, हुमायूँ के शासनकाल का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत करता है, जिसमें उनके संघर्ष और निर्वासन भी शामिल हैं, जो उनकी बहन के दृष्टिकोण से लिखा गया है।
- यह ग्रंथ प्रारंभिक मुगल सम्राटों, विशेष रूप से हुमायूँ के जीवन पर केंद्रित, के बारे में लिखे गए कुछ प्रत्यक्ष विवरणों में से एक है।

**Information Booster:**

- गुलबदन बेगम एक राजकुमारी और मुगल साम्राज्य की एक उल्लेखनीय इतिहासकार थीं।
- हुमायूँनामा को मुगल वंश और उसके प्रारंभिक वर्षों को समझने के लिए एक मूल्यवान स्रोत माना जाता है।
- यह पुस्तक हुमायूँ के व्यक्तिगत जीवन और उनके सामने आई चुनौतियों के साथ-साथ उस समय के राजनीतिक संदर्भ की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

**Additional Knowledge:**

- अमीर खुसरो - तुगलकनामा और खजैन-उल-फुतूह जैसी रचनाओं के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हुमायूँनामा के लिए नहीं।
- अबुल फ़ज़ल - अकबरनामा के लेखक, जिसमें बादशाह अकबा के जीवन और शासनकाल का विवरण है।
- बदायुनी - अपनी रचना मुंतखाब-उत-तवारीख के लिए जाने जाते हैं।

**Q.24** निम्नलिखित में से किसके बारे में कहा जाता है कि वह आठ दिल्ली सुल्तानों के शासनकाल का गवाह था?

- A. ज़ियाउद्दीन बरनी
- B. शम्स-ए-सिराज अफ़्रीफ़
- C. मिन्हाज-उस-सिराज
- D. अमीर खुसरो

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर (d) अमीर खुसरो है

**व्याख्या:**

- अमीर खुसरो (1253-1325 ई.), एक महान कवि, संगीतकार और विद्वान, "भारत का तोता" के रूप में जाने जाते हैं।
- उन्होंने बलबन, अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद बिन तुगलक सहित आठ दिल्ली सुल्तानों के शासनकाल में जीवन बिताया और प्रमुख राजनीतिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों के साक्षी रहे।

**Information Booster:**

- खुसरो को कव्वाली संगीत की शुरुआत करने और संगीत वाद्ययंत्रों के आविष्कार का श्रेय दिया जाता है।
- उन्होंने फ़ारसी और हिंदवी में लिखा, जिसमें इंडो-फ़ारसी संस्कृति का मिश्रण था।

**Additional Knowledge:**

- ज़ियाउद्दीन बरनी: इतिहासकार और राजनीतिक विचारक, जिन्होंने "तारीख-ए-फ़िरोज़ शाही" लिखी, जिसमें मुख्य रूप से तुगलक वंश का इतिहास लिखा गया है।
- शम्स-ए-सिराज अफ़्रीफ़: उन्होंने "तारीख-ए-फ़िरोज़ शाही" लिखी, जिसमें सल्तनत काल का वर्णन है।
- मिन्हाज-उस-सिराज: "तबाक़त-ए-नासिरी" लिखी, जो प्रारंभिक दिल्ली सल्तनत का इतिहास बताती है।

**Q.25** भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से संबंधित है?

- A. अनुच्छेद 50
- B. अनुच्छेद 52
- C. अनुच्छेद 51
- D. अनुच्छेद 53

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर: (C) अनुच्छेद 51

**Explanation:**

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51 अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह राज्य को अंतर्राष्ट्रीय कानून और दायित्वों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने और अन्य राष्ट्रों के साथ शांति और मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने का प्रयास करने का निर्देश देता है। यह अनुच्छेद विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और वैश्विक कल्याण के मामलों में सहयोग को भी प्रोत्साहित करता है।

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (A) अनुच्छेद 50:** न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करने से संबंधित है, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से नहीं।

**विकल्प (B) अनुच्छेद 52:** भारत के राष्ट्रपति के पद से संबंधित है, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से नहीं।

**विकल्प (D) अनुच्छेद 53:** राष्ट्रपति में निहित संघ की कार्यकारी शक्ति से संबंधित है, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से नहीं।

Q.26 \_\_\_\_\_ ऊर्जा की वाणिज्यिक इकाई है।

- A. जूल
- B. वाट घंटा
- C. किलोवाट-घंटा
- D. किलोवाट

Answer: C

Sol: सही उत्तर है: (C) किलोवाट घंटा

स्पष्टीकरण:

- ऊर्जा की SI इकाई जूल (J) है, लेकिन व्यावहारिक बिजली खपत में, जूल बहुत छोटे होते हैं।
- बिजली बोर्ड और उपभोक्ता वाणिज्यिक इकाई के रूप में किलोवाट-घंटा (kWh) का उपयोग करते हैं।
- 1 kWh का अर्थ है 1000 वाट बिजली का एक उपकरण जो 1 घंटे तक चलता है।
- रूपांतरण:

$$1\text{kWh} = 1000 \times 3600\text{J} = 3.6 \times 10^6 \text{ J}$$

Explanation:

- 1 kWh को बिजली की एक इकाई भी कहा जाता है।
- घरेलू बिजली बिल की गणना इकाइयों (kWh) में की जाती है।
- उदाहरण: 100 वाट का बल्ब 10 घंटे चलने पर 1 kWh खपत करता है।
- जूल मूल SI इकाई है, लेकिन अधिक खपत के लिए व्यावहारिक नहीं है।
- वाट (W) = शक्ति की इकाई, ऊर्जा की नहीं।

Additional Knowledge:

- विकल्प A (जूल): ऊर्जा की SI इकाई, वाणिज्यिक इकाई नहीं।
- विकल्प B (वाट घंटा): छोटी इकाई, वाणिज्यिक रूप से उपयोग नहीं की जाती।
- विकल्प C (किलोवाट-घंटा): सही - ऊर्जा की वाणिज्यिक इकाई।
- विकल्प D (किलोवाट): शक्ति की इकाई, ऊर्जा की नहीं।

ऊर्जा की महत्वपूर्ण इकाइयाँ

इकाई	प्रतीक	परिभाषा / मान	रूपांतरण
जूल	J	ऊर्जा की एस.आई. इकाई	1 J = 1 N·m
किलो-जूल	kJ	1000 जूल	1 kJ = 10 <sup>3</sup> J
कैलोरी	cal	1 ग्राम पानी का तापमान 1°C बढ़ाने के लिए आवश्यक ऊष्मा	1 cal = 4.184 J
किलो-कैलोरी	kcal	1000 कैलोरी, भोजन ऊर्जा में प्रयुक्त	1 kcal = 4184 J
किलोवाट-घंटा	kWh	विद्युत ऊर्जा की वाणिज्यिक इकाई	1 kWh = 3.6 × 10 <sup>6</sup> J
इलेक्ट्रॉन वोल्ट	eV	1 इलेक्ट्रॉन को 1 वोल्ट विभवांतर पर प्राप्त ऊर्जा	1 eV = 1.602 × 10 <sup>-19</sup> J
एर्ग	erg	ऊर्जा की सी.जी.एस. इकाई	1 erg = 10 <sup>-7</sup> J

Q.27 मार्च 2026 में, बिहार कैबिनेट ने किस जिले में एक नए ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण को मंजूरी दी?

- A. मुजफ्फरपुर
- B. सारण (सोनपुर)
- C. पूर्णिया
- D. भागलपुर

Answer: B

**Sol:** सही उत्तर (b) सारण (सोनपुर) है

व्याख्या:

- बिहार कैबिनेट ने मार्च 2026 में सारण (सोनपुर के पास) में एक ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए मंजूरी दे दी।
- यह हवाई अड्डा भीड़भाड़ वाले पटना हवाई अड्डे के लिए एक वैकल्पिक और द्वितीयक केंद्र के रूप में काम करने की योजना है।
- इसमें अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बड़े वाइड-बॉडी विमानों को संभालने में सक्षम लंबा रनवे होगा।
- पटना से इसकी निकटता और भूमि की बेहतर उपलब्धता के कारण इस स्थान को चुना गया था।
- इससे सारण और वैशाली क्षेत्रों के प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब में बदलने की उम्मीद है।

Information Booster:

- ग्रीनफील्ड परियोजना का अर्थ है कि इसे किसी मौजूदा सुविधा को अपग्रेड करने के बजाय अविकसित भूमि पर शुरुआत से बनाया गया है।
- वर्तमान में, बिहार में पटना, गया और दरभंगा में परिचालन हवाई अड्डे हैं।

Additional Knowledge:

मुजफ्फरपुर (विकल्प a)

- उड़ान योजना के तहत नागरिक एन्क्लेव के विस्तार के लिए पताही हवाई अड्डे पर विचार किया जा रहा है।
- पूर्णिया (विकल्प c)
- वायु सेना स्टेशन पर एक नागरिक एन्क्लेव की एक प्रमुख मांग दीर्घकालिक विकास के लिए लंबित है।
- भागलपुर (विकल्प d)
- वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय संचालन में सक्षम हवाई अड्डा नहीं है; घरेलू कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित है।

इसलिए सही उत्तर (b) है

**Q.28** "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।" यह नारा किसने दिया था?

- गाँधी
- तिलक
- गोखले
- नेहरू

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) तिलक

स्पष्टीकरण:

बाल गंगाधर तिलक ने यह नारा दिया जो भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक नारा बन गया।

**Information Booster:**

→ "भारतीय अशांति के जनक" के रूप में जाने जाते हैं (वेलेंटाइन चिरोल द्वारा)।

→ समाचार पत्रों का संपादन: केसरी (मराठी), द मराठा (अंग्रेजी)।

गणेश उत्सव और शिवाजी उत्सव को लोकप्रिय बनाया।

**Additional Information:**

**विकल्प (A) गाँधी** → "करो या मरो" (भारत छोड़ो)।

**विकल्प (C) गोखले** → गाँधी के राजनीतिक गुरु, उदारवादी नेता।

**विकल्प (D) नेहरू** → "नियति से मिलन" भाषण (1947)।

**Q.29** नाथुला दर्रा स्थित है—

- सिक्किम
- असम
- उत्तर प्रदेश
- जम्मू और कश्मीर

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) सिक्किम

**स्पष्टीकरण:**

→ नाथुला = पूर्वी सिक्किम में स्थित एक पर्वतीय दर्रा, जो भारत को तिब्बत (चीन) से जोड़ता है।

→ व्यापार और सैन्य दृष्टि से सामरिक महत्व।

**Information Booster:**

→ समुद्र तल से लगभग 4310 मीटर की ऊँचाई पर स्थित।

→ सीमा व्यापार के लिए 2006 में पुनः खोला गया।

**Additional information (अन्य विकल्प):**

**विकल्प (B) असम** → नाथुला नहीं; राज्य में मैदान हैं, दर्रे नहीं।

**विकल्प (C) उत्तर प्रदेश** → हिमालयी दर्रे उत्तराखंड में हैं, उत्तर प्रदेश के मैदानों में नहीं।

**विकल्प (D) जम्मू और कश्मीर** → क्या ज़ोजी ला और खारदुंग ला दर्रे हैं?

**Q.30** 'सदा-ए-सरहद' दिल्ली-लाहौर बस सेवा का उद्घाटन किसके द्वारा किया गया?

- इंद्र कुमार गुजराल
- अटल बिहारी वाजपेयी
- राजीव गांधी
- मनमोहन सिंह

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) अटल बिहारी वाजपेयी

**Explanation:**

→ दिल्ली और लाहौर के बीच 'सदा-ए-सरहद' बस सेवा का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 19 फरवरी, 1999 को किया था।

→ यह बस सेवा भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और मैत्री को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल थी। इसने लोगों के बीच संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया और दोनों देशों के बीच शांति प्रयासों का प्रतीक बनी।

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (A) इंद्र कुमार गुजराल:** पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री अपनी विदेश नीति पहलों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बस सेवा से जुड़े नहीं हैं।

**विकल्प (C) राजीव गांधी:** हालाँकि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन बस सेवा का उद्घाटन उनके कार्यकाल के बाद हुआ।

**विकल्प (D) मनमोहन सिंह:** प्रधानमंत्री के रूप में, मनमोहन सिंह ने भारत-पाकिस्तान संबंधों पर काम किया, लेकिन 'सदा-ए-सरहद' बस सेवा का उद्घाटन नहीं किया।

**Q.31** लेखक का उसकी पुस्तक से मिलान करें और बताएं कि निम्नलिखित में से कौन सा सही ढंग से मेल नहीं खाता है।

- बी.जी. तिलक - गीता रहस्य
- अरबिंदो घोष - मानव एकता का आदर्श
- जे.एल. नेहरू - भारत की एकता
- एस.सी. बोस - द स्प्रिंगिंग टाइगर

**Answer:** D

**Sol:** Correct Answer: (D)

**Explanation:**

→ बाल गंगाधर तिलक → गीता रहस्य (मांडले जेल में लिखित, 1915)।

→ श्री अरबिंदो → मानव एकता का आदर्श (आध्यात्मिक एकता का दर्शन)।

→ जवाहरलाल नेहरू → भारत की एकता (उनकी रचनाएँ)।

→ सुभाष चंद्र बोस → भारतीय संघर्ष (1935, 1948)।

→ द स्प्रिंगिंग टाइगर बोस की रचना नहीं है; यह ह्यूग टॉय द्वारा लिखित बोस की जीवनी है।

**Information Booster:**

→ बोस का भारतीय संघर्ष 1920-1942 तक भारत के राजनीतिक आंदोलन का वर्णन करता है।

**Q.32** कनिष्क बौद्ध धर्म के किस संप्रदाय का अनुयायी था?

- हीनयान
- महायान
- वज्रयान
- उपरोक्त में से कोई नहीं

**Answer:** B

**Sol:** Correct Answer: (B)

**Explanation:**

→ कनिष्क (कुषाण शासक, पहली-दूसरी शताब्दी ई.) महायान बौद्ध धर्म के महान संरक्षक थे।

- उन्होंने कश्मीर में चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन किया, जहाँ महायान सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया गया।
- उनके शासनकाल में बौद्ध धर्म का मध्य एशिया और चीन में प्रसार हुआ।

**Information Booster:**

- कनिष्क की राजधानी पेशावर (पुरुषपुर) में थी।
- उन्होंने प्रसिद्ध कनिष्क स्तूप का निर्माण कराया, जो अपने समय के सबसे ऊँचे स्तूपों में से एक था।

**Additional Information (Other Options):**

- हीनयान: प्रारंभिक रूढ़िवादी बौद्ध धर्म।
- वज्रयान: बाद में उभरा (7वीं-8वीं शताब्दी ई.)।

**Q.33** विशेष विधायी और आपातकालीन स्थितियों में राज्यसभा की भूमिका के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. अनुच्छेद 249 के तहत, संसद को राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने की अनुमति देने वाला राज्यसभा का प्रस्ताव एक वर्ष के लिए वैध रहता है।
2. संसद राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा को केवल राज्यसभा की सहमति से ही बढ़ा सकती है।

- A. केवल 1
- B. केवल 2
- C. 1 और 2 दोनों
- D. न तो 1 और न ही 2

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है (C) 1 और 2 दोनों

**Explanation:**

• **अनुच्छेद 249:** यदि राज्यसभा उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित प्रस्ताव द्वारा यह घोषित करती है कि राष्ट्रीय हित में यह आवश्यक है कि संसद को राज्य सूची में शामिल किसी भी मामले के संबंध में कानून बनाना चाहिए, तो संसद ऐसा करने के लिए सक्षम हो जाती है। ऐसा प्रस्ताव एक बार में एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए लागू नहीं रहता है।

• **राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356):** राष्ट्रपति शासन की प्रत्येक उद्घोषणा को दो महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। यदि उस समय लोकसभा भंग हो जाती है, तो पुनर्गठित लोकसभा की पहली बैठक से 30 दिनों तक उद्घोषणा बनी रहती है, बशर्ते कि इस बीच राज्यसभा ने इसे मंजूरी दे दी हो। किसी भी विस्तार के लिए राज्यसभा सहित दोनों सदनों के अनुमोदन की भी आवश्यकता होती है।

**Information Booster:**

- **संघीय संतुलन:** राज्यसभा 'राज्यों की परिषद' है और राज्यों के हितों के संरक्षक के रूप में कार्य करती है। अनुच्छेद 249 केवल राज्यसभा को दी गई एक अनूठी शक्ति है।
- **अखिल भारतीय सेवाएं:** अनुच्छेद 312 के तहत, राज्यसभा संसद को नई अखिल भारतीय सेवाएं बनाने के लिए भी अधिकृत कर सकती है।

**Additional Knowledge:**

- **कथन 1:** यह सही है क्योंकि अनुच्छेद 249 स्पष्ट रूप से ऐसे प्रस्ताव की अवधि को एक वर्ष तक सीमित करता है, हालांकि इसे कितनी भी बार नवीनीकृत किया जा सकता है।
- **कथन 2:** यह सही है क्योंकि आपातकाल (राष्ट्रीय, राष्ट्रपति शासन, या वित्तीय) के लिए विधायी अनुमोदन के लिए उच्च सदन की सहमति की आवश्यकता होती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कार्यपालिका राज्यों के प्रतिनिधित्व को दरकिनार न करे।

**Q.34** किस प्रधानमंत्री ने 'सकारात्मक गुटनिरपेक्षता' के विचार की वकालत की?

- A. इंद्र कुमार गुजराल
- B. मोरारजी देसाई
- C. लाल बहादुर शास्त्री
- D. जवाहरलाल नेहरू

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) मोरारजी देसाई

**स्पष्टीकरण:**

→ भारत के प्रधानमंत्री (1977-1979) मोरारजी देसाई को 'सकारात्मक गुटनिरपेक्षता' की अवधारणा का समर्थन करने का श्रेय दिया जाता है।

→ उनका दृष्टिकोण गुटनिरपेक्षता के प्रति अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण था। उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर ज़ोर दिया, जिसने न केवल भारत को सैन्य गठबंधनों से दूर रखा, बल्कि विभिन्न वैश्विक शक्तियों के साथ सकारात्मक कूटनीतिक जुड़ाव पर भी ध्यान केंद्रित किया।

→ जहाँ इंदिरा गाँधी की नीतियाँ पारंपरिक गुटनिरपेक्षता पर आधारित थीं, वहीं मोरारजी देसाई का ज़ोर दुनिया, खासकर विकासशील देशों के साथ सहयोग और जुड़ाव पर था, जबकि सभी अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत की संप्रभुता को बनाए रखा।

**Additional Information (अन्य विकल्प):**

**विकल्प (A) इंद्र कुमार गुजराल:** इंद्र कुमार गुजराल 'गुजराल सिद्धांत' के लिए जाने जाते हैं, जिसका उद्देश्य दक्षिण एशिया में भारत के पड़ोसियों के साथ संबंधों को बेहतर बनाना था, लेकिन यह विशेष रूप से 'सकारात्मक गुटनिरपेक्षता' शब्द से जुड़ा नहीं था।

**विकल्प (C) लाल बहादुर शास्त्री:** 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान अपने नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले लाल बहादुर शास्त्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को मज़बूत करने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित किया, लेकिन सकारात्मक गुटनिरपेक्षता पर ज़ोर नहीं दिया।

**विकल्प (D) जवाहरलाल नेहरू:** नेहरू गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) के संस्थापक थे, लेकिन उन्होंने 'सकारात्मक गुटनिरपेक्षता' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, जैसा कि बाद में मोरारजी देसाई ने किया था।

**Q.35** राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (NPC) ने मार्च 2026 में निम्नलिखित में से किसके तहत पर्यावरण ऑडिट नामित एजेंसी (EADA) के रूप में कार्य करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए?

- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986
- वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010
- पर्यावरण ऑडिट नियम, 2025

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर: (d) पर्यावरण ऑडिट नियम, 2025

**समाधान:**

- मार्च 2026 में, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (NPC) ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- NPC को पर्यावरण ऑडिट नामित एजेंसी (EADA) के रूप में नामित किया गया।
- यह भूमिका पर्यावरण ऑडिट नियम (EAR), 2025 के तहत है।
- EAR 2025 को 29 अगस्त 2025 को अधिसूचित किया गया था।

**Information Booster:**

**उद्देश्य:**

- पर्यावरणीय अनुपालन को मजबूत करना
- पारदर्शिता बढ़ाना
- ऑडिटिंग प्रथाओं का मानकीकरण करना

**NPC की मुख्य जिम्मेदारियां:**

- ऑडिटर्स का प्रमाणन और पंजीकरण
- निगरानी और प्रदर्शन मूल्यांकन
- दिशा-निर्देश जारी करना और अनुशासनात्मक कार्रवाई

**प्रमाणन प्रकार:**

- प्रमाणित पर्यावरण ऑडिटर (CEA)
- पंजीकृत पर्यावरण ऑडिटर (REA)

**Q.36** फरवरी 2026 में, बिहार सरकार ने एक नए औद्योगिक सहायता मिशन के तहत बंद चीनी मिलों के पुनरुद्धार की घोषणा की। इसका समर्थन करने के लिए कौन सी अनुसंधान सुविधा स्थापित की जा रही है?

- बिहार चीनी अनुसंधान एवं ऊतक संवर्धन लैब
- राष्ट्रीय गन्ना प्रौद्योगिकी संस्थान
- पूसा इथेनॉल अनुसंधान केंद्र
- चंपारण कृषि-औद्योगिक लैब

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर (a) बिहार चीनी अनुसंधान एवं ऊतक संवर्धन लैब है

**व्याख्या:**

- किसानों को उच्च उपज वाली गन्ने की किस्में प्रदान करने के लिए बिहार चीनी अनुसंधान एवं ऊतक संवर्धन लैब की स्थापना की जा रही है।
- यह सुविधा पश्चिमी चंपारण और मधुबनी जैसे क्षेत्रों में बंद चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने की राज्य की योजना का हिस्सा है।
- ऊतक संवर्धन तकनीक से रोग प्रतिरोधी बीजों का तेजी से उत्पादन करने में मदद मिलेगी।
- सरकार का लक्ष्य चीनी मिलों को इथेनॉल और सह-उत्पादन इकाइयों में विविधता लाना है।
- यह लैब गन्ना उद्योग विभाग के सहयोग से काम करेगी।

**Information Booster:**

- गन्ना उत्तर बिहार में एक प्रमुख नकद फसल है, जो लाखों लोगों की आजीविका का समर्थन करती है।
- औद्योगिक सहायता मिशन बंद मिलों का अधिग्रहण करने वाले निजी निवेशकों को वित्तीय प्रोत्साहन और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

**Additional Knowledge:**

इथेनॉल (विकल्प c)

- बिहार इथेनॉल उत्पादन में अग्रणी है; चीनी मिलों को डिस्टिलरी स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पूसा (विकल्प c)

- पूसा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पहले से ही कृषि अनुसंधान करता है लेकिन यह लैब एक समर्पित नई सुविधा है।

गन्ने का इतिहास

- औपनिवेशिक काल और प्रारंभिक स्वतंत्रता अवधि के दौरान बिहार को कभी उत्तर भारत के 'चीनी के कटोरे' के रूप में जाना जाता था।

इसलिए सही उत्तर (a) है

**Q.37** पर्वतीय स्टेशन माउंट आबू निम्नलिखित में से किस पर्वत श्रृंखला में स्थित है?

- विंध्य
- सतपुड़ा
- मैकल

D. अरावली

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर: (D) अरावली  
स्पष्टीकरण:

- माउंट आबू अरावली पर्वतमाला में स्थित है, जो भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है।
- राजस्थान में स्थित यह राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन है, जो ठंडी जलवायु और मनोरम दृश्य प्रदान करता है, जो इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाता है।

**Information Booster:**

- अरावली पर्वतमाला गुजरात से हरियाणा तक फैली हुई है, जो राजस्थान से होकर गुजरती है, तथा अपने पारिस्थितिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए महत्वपूर्ण है।
- माउंट आबू अपने उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिरों और प्रमुख पर्यटक आकर्षण नक्की झील के लिए प्रसिद्ध है।
- अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटी गुरु शिखर माउंट आबू के पास स्थित है।

**अतिरिक्त ज्ञान:**

- (A) विंध्य → विंध्य पर्वतमाला मध्य भारत, मुख्यतः मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से होकर गुजरती है, और इसका माउंट आबू से कोई संबंध नहीं है। यह उत्तरी और दक्षिणी भारत को अलग करने में अपनी भूमिका के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इसमें माउंट आबू जैसे पर्वतीय स्थल नहीं हैं।
- (B) सतपुड़ा → सतपुड़ा पर्वतमाला नर्मदा और महानदी नदियों के बीच स्थित है और मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से होकर गुजरती है। यह भूगोल की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
- (C) मैकल → मैकल श्रेणी मुख्य रूप से मध्य प्रदेश में सतपुड़ा और विंध्य पर्वतमाला के बीच स्थित है।

**Q.38** नए जीएसटी ढांचे के तहत निम्नलिखित में से कौन से कर स्लैब समाप्त कर दिए गए?

- 5% और 18%
- 12% और 28%
- 28% और 40%
- 5% और 12%

**Answer:** B

**Sol:** उत्तर: (b) 12% और 28%

**व्याख्या:**

- 12% और 28% की दरें समाप्त कर दी गईं।
- अब अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर 5% और 18% की दरें लागू हैं।
- पाप वस्तुओं और विलासिता की वस्तुओं पर 40% की नई दर लागू की गई।
- इस कदम से अनुपालन बढ़ने और व्यापारियों के लिए भ्रम कम होने की उम्मीद है।

**Information Booster:**

- आवश्यक वस्तुओं पर कम दरें मध्यम वर्गीय उपभोक्ताओं को बचत करने में मदद करती हैं।
- विलासिता की वस्तुओं पर उच्च दरें सरकार के राजस्व को बनाए रखते हुए अत्यधिक उपभोग को हतोत्साहित करती हैं।

**Q.39** निम्नलिखित में से किसे भारत के 58वें टाइगर रिजर्व के रूप में नामित किया गया था?

- पेंच राष्ट्रीय उद्यान
- माधव राष्ट्रीय उद्यान
- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर (b) माधव राष्ट्रीय उद्यान है।

**व्याख्या:**

- मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान को 2025 में आधिकारिक तौर पर भारत के 58वें टाइगर रिजर्व के रूप में नामित किया गया था।
- यह निर्णय मध्य भारतीय परिदृश्य में बाघ संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा लिया गया था।
- ऐतिहासिक रूप से, इस पार्क में बाघ विलुप्त हो गए थे, लेकिन 2023 में शुरू हुए एक पुनर्वास कार्यक्रम ने इसे रिजर्व का दर्जा दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया।
- यह उद्यान अपने विविध पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जाना जाता है, जिसमें शुष्क पर्णपाती वन और साख्वा सागर झील शामिल हैं।
- यह पदनाम मध्य प्रदेश को भारत में सर्वाधिक टाइगर रिजर्व वाला राज्य बनाता है।

**Information Booster:**

- भारत का **प्रोजेक्ट टाइगर** प्राकृतिक आवासों में बंगाल टाइगर्स की एक व्यवहार्य आबादी सुनिश्चित करने के लिए **1973** में शुरू किया गया था।
- मध्य प्रदेश को बड़ी बिल्लियों की बड़ी आबादी के कारण अक्सर भारत का **'टाइगर स्टेट'** कहा जाता है।

**Additional Knowledge:****पेंच राष्ट्रीय उद्यान (विकल्प a)**

- MP और महाराष्ट्र में स्थित, यह एक **स्थापित टाइगर रिजर्व** (सबसे पुराने में से एक) है और किपलिंग की *द जंगल बुक* की पृष्ठभूमि थी।

**पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (विकल्प c)**

- MP में एक और प्रमुख रिजर्व, जो वर्षों पहले अवैध शिकार से आबादी खत्म होने के बाद अपने **सफल बाघ पुनर्वास** के लिए प्रसिद्ध है।

**रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (विकल्प d)**

- भारत के सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व में से एक, जो **राजस्थान** में स्थित है, जिसे 1973 में ही नामित कर दिया गया था।

अतः सही उत्तर (b) है।

**Q.40** निम्नलिखित में से कौन सी जनजाति उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में उत्पन्न हुई?

- गोंड
- नागा
- टोडा
- थारू

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर: (D) थारू

**Explanation:**

- थारू जनजाति उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्र में रहती है।
- कृषि और वन-आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जानी जाती है।

**Information Booster:**

- **गोंड** → मध्य भारत (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़)।
- **नागा** → नागालैंड।
- **टोडा** → नीलगिरि पहाड़ियाँ, तमिलनाडु।

**Additional Knowledge (other options):**

- थारू महिलाएँ पारंपरिक हस्तशिल्प में कुशल हैं।
- उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अनुसूचित जनजाति के रूप में सूचीबद्ध।

**Q.41** संघीय प्रणाली में, केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन किस प्रकार किया जाता है:

- सर्वोच्च न्यायालय
- केंद्र सरकार
- संविधान
- उपरोक्त में से कोई नहीं

**Answer:** C

**Sol:** **Explanation:**

→ संघीय व्यवस्था में, केंद्र (या संघीय) सरकार और राज्यों (या प्रांतों) के बीच शक्तियों का विभाजन संविधान द्वारा परिभाषित किया जाता है। संविधान सरकार के दोनों स्तरों के लिए अधिकार और अधिकार क्षेत्र के संबंधित क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार करता है।

→ **उदाहरण:** भारत में, भारतीय संविधान संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के अंतर्गत केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन करता है।

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (A) सर्वोच्च न्यायालय:** सर्वोच्च न्यायालय संविधान की व्याख्या करता है और केंद्र और राज्यों के बीच विवादों का निपटारा करता है, लेकिन शक्तियों के प्रारंभिक विभाजन को परिभाषित नहीं करता है।

**विकल्प (B) केंद्र सरकार:** केंद्र सरकार कानूनों और नीतियों को लागू करती है, लेकिन संविधान द्वारा निर्धारित शक्तियों के विभाजन को परिभाषित नहीं करती है।

**Q.42** जापान की सबसे ऊँची चोटी माउंट फूजी एक प्रकार का \_\_\_\_\_ है।

- ब्लॉक पर्वत शिखर

- B. ज्वालामुखी शिखर
- C. वलित पर्वत शिखर
- D. अवशेष शिखर

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) ज्वालामुखी शिखर

**स्पष्टीकरण:**

- जापान की सबसे ऊँची चोटी, **माउंट फूजी**, एक ज्वालामुखी शिखर है।
- यह एक सक्रिय स्ट्रेटोज्वालामुखी है, जिसका अर्थ है कि यह पिछले विस्फोटों से निकले कठोर लावा और ज्वालामुखी राख की कई परतों से बना है।
- माउंट फूजी एक सममित, शंक्राकार पर्वत है और जापान का एक प्रतिष्ठित प्रतीक बना हुआ है।

**Information Booster:**

- माउंट फूजी **3,776 मीटर** (12,389 फीट) ऊँचा है।
- इस पर्वत का अंतिम विस्फोट 1707 में एदो काल के दौरान हुआ था।
- यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- जापानी संस्कृति में माउंट फूजी को एक पवित्र पर्वत माना जाता है।

**Additional Knowledge:**

- **ब्लॉक पर्वत शिखर** → भ्रंश द्वारा निर्मित और इसमें पृथ्वी के बड़े खंड विस्थापित होते हैं; माउंट फूजी पर लागू नहीं होता।
- **वलित पर्वत शिखर** → संपीड़न बलों द्वारा निर्मित, जो चट्टानों की परतों को मोड़ते हैं, जैसे हिमालय या आल्प्स, न कि माउंट फूजी।
- **अवशेष शिखर** → एक पर्वत जो आमतौर पर पिछले भूवैज्ञानिक बलों के कारण अपरदन के कारण अवशेष के रूप में रह गया है; माउंट फूजी के मामले में ऐसा नहीं है, जो अभी भी एक सक्रिय ज्वालामुखी है।

**Q.43** बिहार का निम्नलिखित में से कौन सा जिला स्वर्ण खनिज उत्पादक स्थानों में सूचीबद्ध है?

- A. भागलपुर
- B. रोहतास
- C. जमुई
- D. मुंगेर

**Answer:** C

**Sol:** (c) जमुई (Jamui)

जमुई जिला (बिहार) को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा संभावित स्वर्ण भंडार क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है। इन भंडारों की पूरी तरह से अभी खोज की जानी बाकी है।

**Information Booster:**

- बिहार में जमुई में स्वर्ण भंडार पाए गए हैं।
- **GSI सर्वेक्षणों ने 2021** में स्वर्ण भंडार की पुष्टि की।
- उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में भी स्वर्ण भंडार मौजूद हैं।
- **अभ्रक (Mica)** बिहार का एक अन्य प्रमुख खनिज है।
- बिहार का खनन क्षेत्र अभी भी अविकसित है।

**Additional Information:**

- झारखंड और कर्नाटक प्रमुख स्वर्ण-उत्पादक राज्य हैं।
- भारत अपना अधिकांश स्वर्ण आयात करता है।

**Q.44** प्रयागराज में प्रयाग संगीत समिति की स्थापना हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत सिखाने के लिए वर्ष \_\_\_\_\_ में की गई थी।

- A. 1952
- B. 1901

- C. 1926  
D. 1915

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर: **C) 1926**

**Explanation:**

प्रयाग संगीत समिति की स्थापना 1926 में प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रचार और शिक्षण के लिए की गई थी। यह शास्त्रीय संगीत के अध्ययन और संरक्षण के लिए समर्पित भारत के प्रमुख संस्थानों में से एक है, जो विभिन्न शास्त्रीय संगीत शैलियों के प्रचार-प्रसार के लिए एक मंच प्रदान करता है।

**Information Booster:**

. प्रयाग संगीत समिति ने शास्त्रीय संगीत शिक्षा, विशेष रूप से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और कई प्रसिद्ध संगीतकारों को प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

. यह संस्थान शास्त्रीय संगीत में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार की शिक्षा प्रदान करता है, और इसका प्रभाव कई प्रसिद्ध कलाकारों और विद्वानों के करियर में देखा जा सकता है।

**Q.45** निम्नलिखित में से किस क्रियाकलाप को कार्य किया जाना कहा जाता है?

- A. पिकी अपने सिर पर किताब रखे हुए समतल सड़क पर चल रही है  
B. खुशी एक घर की दीवार को धक्का दे रही है लेकिन ऐसा करने में असफल हो जाती है  
C. श्रुति एक कुर्सी पर बैठी है  
D. एक लड़के द्वारा एक ट्रॉली को खींचा जा रहा है और वह कुछ दूरी तय करती है

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर: **(d) एक लड़के द्वारा एक ट्रॉली को खींचा जा रहा है और वह कुछ दूरी तय करती है**

**व्याख्या:**

- **कार्य की वैज्ञानिक परिभाषा:** कार्य तभी होता है जब दो शर्तें पूरी होती हैं: बल लगाया जाता है और वस्तु गति करती है (विस्थापन)।
- **गतिविधि (d):** जब एक लड़का एक ट्रॉली को खींचता है और वह गति करती है, तो बल लगाया जाता है और उस बल की दिशा में परिणामी विस्थापन होता है। इसलिए, कार्य किया जाता है।
- **गतिविधि (a):** जब पिकी अपने सिर पर किताब रखकर चलती है, तो उसके द्वारा लगाया गया बल (गुरुत्वाकर्षण का प्रतिकार करने के लिए) ऊर्ध्वाधर होता है, लेकिन उसकी गति क्षैतिज होती है। चूंकि बल और विस्थापन लंबवत (90°) होते हैं, इसलिए किया गया कार्य शून्य होता है।
- **गतिविधि (b):** जब खुशी एक दीवार को धकेलती है जो नहीं हिलती है, तो विस्थापन शून्य होता है। भले ही बड़ा बल लगाया गया हो, कोई भौतिक कार्य नहीं किया जाता है।
- **गतिविधि (c):** जब श्रुति कुर्सी पर बैठती है, तो कोई विस्थापन नहीं होता है; इसलिए, वैज्ञानिक अर्थ में कोई कार्य नहीं किया जा रहा है।

**सूचना बूस्टर:**

- **कार्य का सूत्र:** कार्य की गणना **कार्य = बल x विस्थापन** (जब बल गति की दिशा में हो) के रूप में की जाती है।
- **शून्य कार्य की तीन स्थितियाँ:**
  1. जब कोई बल नहीं लगाया जाता है ( $F = 0$ )।
  2. जब वस्तु गति नहीं करती है (विस्थापन = 0)।
  3. जब बल और गति एक दूसरे के लंबवत होते हैं (कोण = 90°)।
- **धनात्मक बनाम ऋणात्मक कार्य:** यदि बल और विस्थापन एक ही दिशा में हों तो कार्य **धनात्मक** होता है। यदि वे विपरीत दिशाओं में हों (जैसे घर्षण किसी कार को धीमा कर रहा हो) तो यह **ऋणात्मक** होता है।

**अतिरिक्त ज्ञान:**

- **SI इकाई:** कार्य की मानक इकाई **जूल (J)** है। एक जूल वह कार्य है जो 1 न्यूटन का बल किसी वस्तु को 1 मीटर तक खिसकाने पर किया जाता है।

- **अदिश राशि:** कार्य एक अदिश राशि है क्योंकि इसमें केवल परिमाण होता है और कोई विशिष्ट दिशा नहीं होती है, हालाँकि यह दो सदिश राशियों (बल और विस्थापन) से प्राप्त होता है।
- **ऊर्जा के साथ संबंध:** किसी वस्तु पर किया गया कार्य उस वस्तु की ऊर्जा में परिवर्तन के बराबर होता है। उदाहरण के लिए, किसी बॉक्स को उठाने के लिए कार्य करने से उसकी स्थितिज ऊर्जा बढ़ जाती है।

**Q.46** निम्नलिखित में से किस वेद में नृत्य (नृति) और नृत्यांगना (नृतु) का उल्लेख है?

- A. अथर्ववेद
- B. यजुर्वेद
- C. सामवेद
- D. ऋग्वेद

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर D है: ऋग्वेद

**व्याख्या**

ऋग्वेद सबसे प्राचीन वैदिक ग्रंथ है जिसमें **नृत्य (नृति) और नृत्यांगना (नृतु)** का उल्लेख है, जो प्राचीन भारत की सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराओं पर प्रकाश डालता है। यह नृत्य को अभिव्यक्ति के एक रूप के रूप में संदर्भित करता है और धार्मिक एवं सामाजिक संदर्भों में नृत्य करने वालों का उल्लेख करता है।

**मुख्य बिंदु**

- **ऋग्वेद (लगभग 1500 ईसा पूर्व)** चार वेदों में सबसे प्राचीन है और इसमें देवताओं को समर्पित स्तुतियाँ हैं।
- वैदिक अनुष्ठानों और समारोहों में नृत्य और संगीत महत्वपूर्ण तत्व थे।
- **नृति (नृत्य) और नृतु (महिला नर्तकी)** का उल्लेख प्रारंभिक वैदिक समाज में कलात्मक परंपराओं की उपस्थिति का संकेत देता है।

**Additional Information**

- **अथर्ववेद:** दैनिक जीवन और उपचार पद्धतियों से संबंधित मंत्रों, अनुष्ठानों और मन्त्रों पर केंद्रित है।
- **यजुर्वेद:** मुख्य रूप से धार्मिक समारोहों में प्रयुक्त यज्ञ अनुष्ठानों और मंत्रों से संबंधित है।
- **सामवेद:** इसे **धुनों और मंत्रों का वेद** माना जाता है, यह सोम यज्ञों में प्रयुक्त संगीत पैटर्न पर केंद्रित है।

**Q.47** 'स्वर्ण क्रांति' किससे संबंधित है:

- A. बहुमूल्य खनिज
- B. दलहन
- C. जूट
- D. बागवानी

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर (d) **बागवानी** है।

**स्पष्टीकरण:**

- भारत में **स्वर्ण क्रांति** का तात्पर्य **बागवानी और फलों की खेती के तेज़ विकास** से है, जिसकी शुरुआत **1990 के दशक** में हुई थी।
- इसका लक्ष्य फलों, सब्जियों और फूलों के **उत्पादन, उत्पादकता और निर्यात में वृद्धि** करना था।

**Information Booster:**

- प्रमुख पहल: राष्ट्रीय बागवानी मिशन (2005), सूक्ष्म सिंचाई, शीत भंडारण सुविधाएँ।
- भारत **आम, केला, अमरूद और सब्जियों का अग्रणी उत्पादक** बन गया।

**Additional Knowledge:**

- 'गोल्डन' नाम का अर्थ **बागवानी फसलों के माध्यम से किसानों के लिए धन सृजन** है
- संबंधित क्रांतियाँ:
  - **श्वेत क्रांति** - डेयरी (दूध)
  - **हरित क्रांति** - अनाज (गेहूँ और चावल)
  - **नीली क्रांति** - मत्स्य पालन

**Q.48** हम पेशाब करने की इच्छा को \_\_\_\_\_ के रूप में नियंत्रित कर सकते हैं।

- A. स्फिंक्टर मांसपेशी मूत्राशय और मूत्रमार्ग के बीच मौजूद होती है
- B. मूत्राशय में पानी कम भरा हुआ है
- C. मूत्राशय आसानी से नहीं भरता है
- D. पेशीय मूत्राशय तंत्रिका नियंत्रण में होता है

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर (d) पेशीय मूत्राशय तंत्रिका नियंत्रण में होता है  
**व्याख्या:**

- मूत्राशय एक पेशीय अंग है जिसकी गतिविधि तंत्रिका तंत्र द्वारा नियंत्रित होती है।
- मूत्राशय की दीवार की डेट्रूसर मांसपेशी मूत्र को जमा करने या बाहर निकालने के लिए तंत्रिका संकेतों पर प्रतिक्रिया करती है।
- पेशाब पर स्वैच्छिक नियंत्रण मुख्य रूप से बाहरी मूत्रमार्ग स्फिंक्टर के तंत्रिका नियमन के कारण होता है।
- यह एक व्यक्ति को सचेत रूप से पेशाब करने में तब तक देरी करने की अनुमति देता है जब तक कि यह सामाजिक रूप से उपयुक्त न हो।

**सूचना वर्धक:**

- पेशाब करने की प्रक्रिया को मिक्टुरिशन कहा जाता है और इसमें स्वायत्त और दैहिक दोनों तंत्रिका तंत्र शामिल होते हैं।
- बाहरी मूत्रमार्ग स्फिंक्टर कंकाल की मांसपेशी से बना होता है और स्वैच्छिक नियंत्रण में होता है।
- मूत्राशय में खिंचाव ग्राही मस्तिष्क को संकेत भेजते हैं जब मूत्राशय भर जाता है।

**अतिरिक्त ज्ञान:**

मूत्राशय और मूत्रमार्ग के बीच स्फिंक्टर मांसपेशी मौजूद होती है (विकल्प a)

- स्फिंक्टर मांसपेशियां मूत्र प्रवाह को नियंत्रित करने में मदद करती हैं लेकिन अकेले सचेत नियंत्रण की व्याख्या नहीं करती हैं।
- आंतरिक स्फिंक्टर अनैच्छिक होता है और इसे सचेत रूप से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है।

मूत्राशय आसानी से नहीं भरता है (विकल्प c)

- मूत्राशय को आसानी से फैलने और भरने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- भरने में कठिनाई पेशाब के नियंत्रण के लिए जिम्मेदार नहीं है।

मूत्राशय कम पानी से भरा होता है (विकल्प b)

- मूत्र की मात्रा गुर्दे के निस्पंदन और जलयोजन की स्थिति पर निर्भर करती है।
- कम मूत्र निर्माण पेशाब पर स्वैच्छिक नियंत्रण की व्याख्या नहीं करता है।

**Q.49** 3 सितंबर 2025 को 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के अध्यक्ष के रूप में किसे चुना गया?

- डेनिस फ्रांसिस
- सबा कोरोसी
- रुचिरा काम्बोज
- एनालेना बैरबॉक

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर है: (d) एनालेना बैरबॉक

**स्पष्टीकरण:**

- **2 जून 2025 को**, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पूर्व जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बैरबॉक को अपने 80वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में चुना, जो **सितंबर 2025** में शुरू होगा।
- सदस्य देशों से भारी समर्थन प्राप्त करते हुए, वह इस पद को धारण करने वाली पाँचवीं महिला बनीं।

Information Booster:

- महासभा की अध्यक्षता क्षेत्रीय समूहों के बीच घूमती रहती है।
- 80वें सत्र के लिए, नामांकन पश्चिमी यूरोपीय और अन्य समूह (WEOG) से आया था।
- एनालेना बैरबॉक ने 79वें सत्र के अध्यक्ष, कैमरून के फिलेमोन यांग का स्थान लिया।
- अध्यक्षता के लिए उनका विषय एकता, बहुपक्षीय कार्रवाई और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर केंद्रित था।

**Additional Knowledge:**

- **डेनिस फ्रांसिस:** त्रिनिदाद और टोबैगो से 78वें सत्र (2023-24) के अध्यक्ष।
- **सीसाबा कोरोसी:** 77वें सत्र (2022-23) के अध्यक्ष, हंगरी से।
- **रुचिरा कंबोज:** संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि, लेकिन कभी भी UNGA अध्यक्ष नहीं।

**Q.50** \_\_\_\_\_ ने सजीवों में लक्षणों के वंशानुक्रम संबंधी सिद्धांतों में योगदान दिया।

- ग्रेगर मेंडल
- जे.बी.एस. हाल्डेन
- स्टेनली मिलर
- चार्ल्स डार्विन

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: (A) ग्रेगर मेंडल

**स्पष्टीकरण:**

- आनुवंशिकी के जनक कहे जाने वाले ग्रेगर जोहान मेंडल ने मटर के पौधों (पाइसम सैटिवम) पर प्रयोग किए।
- उन्होंने बताया कि कैसे लक्षण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में विरासत में मिलते हैं।
- **वंशानुक्रम के नियम प्रस्तावित किए:**
  - प्रभुत्व का नियम
  - पृथक्करण का नियम
  - स्वतंत्र वर्गीकरण का नियम
- उनके कार्य (1866) को बाद में 1900 के आसपास ह्यूगो डी व्रीस, कॉरेस और त्शोर्मक जैसे वैज्ञानिकों ने मान्यता दी।

**Information Booster:**

- मेंडल ने मटर के पौधों को उनके विपरीत लक्षणों, छोटे जीवन चक्र और पर-परागण में आसानी के कारण चुना।
- वंशानुक्रम कारकों (जिन्हें अब जीन कहा जाता है) द्वारा नियंत्रित होता है।
- उनके अनुपात: 3:1 (एकसंकर संकरण) और 9:3:3:1 (द्विसंकर संकरण)।
- मेंडल के कार्यों की पुनर्खोज ने आधुनिक आनुवंशिकी की नींव रखी।
- "जीन" शब्द बाद में विल्हेम जोहानसन द्वारा गढ़ा गया था।

**Additional Knowledge:**

- **जे. बी. एस. हाल्डेन** - जनसंख्या आनुवंशिकी के संस्थापकों में से एक के रूप में जाने जाते हैं; उन्होंने जीवन की उत्पत्ति का "प्राइमॉर्डियल सूप" सिद्धांत प्रस्तावित किया।
- **स्टेनली मिलर** - कार्बनिक अणुओं के अजैविक संश्लेषण को दर्शाने के लिए मिलर-उरे प्रयोग (1953) किया।
- **चार्ल्स डार्विन** - वंशानुक्रम के नियमों द्वारा नहीं, बल्कि प्राकृतिक चयन द्वारा विकास का सिद्धांत दिया।
- **ग्रेगर मेंडल** - सही; वंशानुक्रम अध्ययन के अग्रदूत।

**Q.51** \_\_\_\_\_ एनेलिडा वर्ग से संबंधित नहीं है।

- जोंक
- एस्केरिस
- नेरीस
- केंचुआ

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर (B) एस्केरिस है।

**स्पष्टीकरण:**

- एनेलिडा खंडित कृमि होते हैं जिनमें एक वास्तविक सीलोम और बंद परिसंचरण तंत्र होता है।
- उदाहरण: **केंचुआ (फेरेटिमा), जोंक (हिरुडिनेरिया), नेरीस।**
- एस्केरिस एक गोल कृमि है जो नेमाटोडा संघ से संबंधित है, एनेलिडा से नहीं।
- नेमाटोड अखंडित, बेलनाकार कृमि होते हैं जिनमें एक छद्म सीलोम होता है।

**Information Booster:**

- **एनेलिडा विशेषताएँ:** खंडित शरीर, द्विपक्षीय समरूपता, वास्तविक सीलोम, उत्सर्जन के लिए नेफ्रिडिया।
- **नेरीस:** समुद्री पॉलीकेटी एनेलिड।
- **केंचुआ:** स्थलीय एनेलिड, मिट्टी की उर्वरता में मदद करता है।
- **जोंक:** परजीवी एनेलिड, रक्तपात के लिए दवा में उपयोग किया जाता है।
- **एस्केरिस:** मनुष्यों का आंत्र परजीवी, एस्केरियासिस का कारण बनता है।

**Additional Knowledge:**

- **जोंक:** एनेलिडा (हिरुडीनिया वर्ग) से संबंधित है।
- **एस्केरिस:** नेमाटोडा (गोलकृमि) से संबंधित है।
- **नेरीस:** एनेलिडा (पॉलीकेटा वर्ग) से संबंधित है।
- **केंचुआ:** एनेलिडा (ओलिगोकेटा वर्ग) से संबंधित है।

**Q.52** स्क्लेरेनकाइमा कोशिकाओं की दीवारें \_\_\_\_\_ के कारण मोटी हो जाती हैं।

- सेल्यूलोज
- लिग्निन
- हेमी-सेल्यूलोज
- पेक्टिन

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर (b) लिग्निन है।

**व्याख्या:**

- लिग्निन के जमाव से स्क्लेरेनकाइमा कोशिका भित्ति मोटी और कठोर हो जाती है।
- लिग्निन एक जटिल बहुलक है जो संरचनात्मक आधार प्रदान करता है।
- कोशिका भित्ति को जलरोधी और क्षय-रोधी बनाता है।
- पादप ऊतक को यांत्रिक शक्ति प्रदान करता है।

**Information Booster:**

- लिग्निफिकेशन के कारण **स्क्लेरेनकाइमा कोशिकाएँ** परिपक्वता पर मृत हो जाती हैं।
- दो प्रकार: रेशे (लम्बी) और स्क्लेरिड्स (विभिन्न आकार)।
- आधार के लिए तनों, जड़ों और बीज आवरणों में पाया जाता है।
- काष्ठीय ऊतकों में लिग्निन की मात्रा शुष्क भार का 25-35% हो सकती है।

**Additional Knowledge:**

- सेल्यूलोज → कोशिका भित्ति का प्राथमिक घटक, लेकिन गाढ़ा करने वाला कारक नहीं।
- हेमी-सेल्यूलोज → संरचनात्मक घटक, लेकिन गाढ़ापन नहीं करता।
- पेक्टिन → मध्य पटलिका में पाया जाता है, लचीलापन प्रदान करता है, कठोरता नहीं।

**Q.53** मार्च 2026 में जारी पुस्तक 'Karuna: The Power of Compassion' किसके द्वारा लिखी गई है?

- अमर्त्य सेन
- कैलाश सत्यार्थी
- रघुराम राजन
- शशि थरूर

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (b) कैलाश सत्यार्थी

**व्याख्या:**

- मार्च 2026 में, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने अपनी पुस्तक 'Karuna: The Power of Compassion' जारी की।
- पुस्तक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में करुणा के महत्व पर केंद्रित है।
- यह **Compassion Quotient (CQ)** की अवधारणा पेश करती है।
- अतः, विकल्प (b) सही है।

**Information Booster :**

- **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी (नोबेल शांति पुरस्कार, 2014)
- **प्रकाशक:** हार्पर कॉलिन्स इंडिया
- **लॉन्चकर्ता:** सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन (SMGC)
- **मुख्य अवधारणा:**
- **Compassion Quotient (CQ)**
- **लॉन्च के समय उपस्थिति:**
- न्यायमूर्ति सूर्यकांत
- किरण बेदी
- **नोबेल पुरस्कार 2014:**
- मलाला यूसुफजई के साथ साझा किया गया
- बच्चों के अधिकारों और शिक्षा के लिए

**Q.54** गदर षड्यंत्र में अपनी संलिप्तता के लिए 1915 में ब्रिटिश सरकार द्वारा निम्नलिखित में से किसे फांसी दी गई थी?

- भगवान सिंह ज्ञानी
- सोहन सिंह भखना
- करतार सिंह सराभा
- तारक नाथ दास

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (c) करतार सिंह सराभा है।

**व्याख्या:**

- करतार सिंह सराभा गदर आंदोलन के एक प्रमुख सदस्य थे और उन्हें ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए 1915 में फांसी दी गई थी।
- फांसी के समय उनकी आयु केवल 19 वर्ष थी।
- वह भारतीय सैनिकों के बीच क्रांतिकारी साहित्य फैलाने के लिए जाने जाते थे।
- भगत सिंह उन्हें अपना प्रेरणास्रोत और आदर्श मानते थे।

**Information Booster:**

- गदर पार्टी का गठन 1913 में USA (सैन फ्रांसिस्को) में हुआ था।
- संस्थापक – सोहन सिंह भखना।
- उद्देश्य – ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह।
- प्रमुख गदर मुकदमा लाहौर (1915) में हुआ।
- करतार सिंह सराभा का जन्म लुधियाना, पंजाब में हुआ था।

**Additional Knowledge:**

- भगत सिंह करतार सिंह का फोटो अपनी जेब में रखते थे।
- गदर पार्टी ने कई भाषाओं में "गदर" नामक एक समाचार पत्र प्रकाशित किया।
- यह आंदोलन भारतीय सैनिकों और विदेशों में बसे भारतीय प्रवासियों के बीच फैला।
- तारक नाथ दास भी एक गदर नेता थे लेकिन उन्हें फांसी नहीं दी गई थी।
- करतार सिंह सराभा की शहादत ने HSRA (हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन) को प्रेरित किया।

**Q.55** यदि कोई वस्तु स्थिर है तो उस पर लगने वाला बल होगा:

- त्वरण
- संवेग
- आवेग
- भार

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर (d) भार है

**स्पष्टीकरण:**

- पृथ्वी पर एक स्थिर वस्तु पर गुरुत्वाकर्षण बल लगता है, जिसे उसका भार कहते हैं।
- यद्यपि वस्तु गतिमान नहीं है, फिर भी नीचे की ओर गुरुत्वाकर्षण बल हमेशा कार्य करता रहता है।
- यदि वस्तु किसी सतह पर विरामावस्था में है, तो सतह से लगने वाला अभिलंब प्रतिक्रिया बल भार को संतुलित कर देता है, इसलिए वस्तु विरामावस्था में रहती है।
- अतः, भार एक स्थिर वस्तु पर लगने वाला सतत बल है।

**Information Booster:**

- भार = द्रव्यमान  $\times$  g ( $W = m \times g$ ).
- भार का SI मात्रक  $\rightarrow$  न्यूटन (N).
- भार एक सदिश राशि है, जो लंबवत नीचे की ओर कार्य करती है।
- विराम अवस्था में किसी पिंड का वेग और त्वरण शून्य होता है।
- बल गति उत्पन्न किए बिना भी मौजूद हो सकता है (संतुलित बल)

**Additional Knowledge:**

- त्वरण  $\rightarrow$  प्रति इकाई समय में वेग में परिवर्तन; स्थिर पिंड के लिए शून्य।
- संवेग  $\rightarrow$  द्रव्यमान  $\times$  वेग का गुणनफल; शून्य जब वेग शून्य हो।
- आवेग  $\rightarrow$  बल  $\times$  समय; संवेग में परिवर्तन से संबंधित, स्थिर पिंडों के लिए लागू नहीं।
- भार  $\rightarrow$  हमेशा पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण कार्य करता है, तब भी जब पिंड स्थिर हो।

**Q.56** सुनामी का विनाशकारी रूप, जिसे भूकंपीय समुद्री लहरें भी कहा जाता है, आमतौर पर भूकंप के कारण होता है:

- तीव्रता  $>7.5$
- तीव्रता 4-5
- तीव्रता 5-6
- तीव्रता 2-3

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) तीव्रता  $>7.5$   
स्पष्टीकरण:

- सुनामी, जिसे भूकंपीय समुद्री लहरें भी कहा जाता है, आमतौर पर रिक्टर पैमाने पर 7.5 से अधिक तीव्रता वाले पानी के नीचे के भूकंपों के कारण होती है।
- ऐसे शक्तिशाली भूकंप भारी मात्रा में पानी को विस्थापित करते हैं, जिससे लहरें उत्पन्न होती हैं जो महासागरों के पार जा सकती हैं और तटीय क्षेत्रों में पहुंचकर व्यापक क्षति पहुंचा सकती हैं।

**Information Booster:**

- भूकंप की गहराई और समुद्र तल का ऊर्ध्वाधर विस्थापन सुनामी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- सुनामी सामान्य समुद्री लहरें नहीं हैं, बल्कि बड़ी, तेज गति से चलने वाली लहरें हैं जो जमीन से टकराने पर 30 मीटर (100 फीट) तक की ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं।
- सुनामी गहरे पानी में 500-800 किमी/घंटा की गति से चल सकती है, लेकिन जमीन के पास पहुंचने पर इसकी गति धीमी हो जाती है।

**Q.57** निम्नलिखित में से कौन सा पारा का अयस्क है?

- बॉक्साइट
- सिनेबार
- आर्सेनिक
- स्टिबनाइट

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: (B) सिनेबार  
स्पष्टीकरण:

- पारा (Hg) का मुख्य अयस्क सिनेबार (HgS) है।
- यह एक सल्फाइड अयस्क है, जिसका रंग लाल होता है।
- पारा सिनेबार को ऑक्सीजन की उपस्थिति में भूनकर प्राप्त किया जाता है।
- इस प्रक्रिया में पारा वाष्प निकलता है, जो बाद में संघनित हो जाता है।
- पारे के अन्य अयस्क दुर्लभ हैं; सिनेबार इसका मुख्य व्यावसायिक स्रोत है।

**Information Booster:**

- बॉक्साइट एल्युमीनियम (Al) का मुख्य अयस्क है।
- स्टिब्राइट (Sb<sub>2</sub>S<sub>3</sub>) एंटीमनी (Sb) का मुख्य अयस्क है।
- आर्सेनिक प्रकृति में मुख्य रूप से आर्सेनोपाइराइट (FeAsS) के रूप में पाया जाता है।
- सिनेबार के भंडार अक्सर ज्वालामुखी क्षेत्रों और गर्म झरने में पाए जाते हैं।
- पारे का उपयोग थर्मामीटर, बैरोमीटर और अमलगम में किया जाता है (हालाँकि अब विषाक्तता के कारण इसका उपयोग कम हो गया है)।

**Additional Knowledge:**

- बॉक्साइट → एल्युमीनियम का स्रोत, हाइड्रेटेड एल्युमीनियम ऑक्साइड।
- सिनेबार → पारे का स्रोत, मरकरी सल्फाइड (HgS)।
- आर्सेनिक → अयस्क नहीं, बल्कि एक उपधातु तत्व; यौगिक विषैले होते हैं।
- स्टिब्राइट → एंटीमनी का अयस्क, एंटीमनी ट्राइसल्फाइड (Sb<sub>2</sub>S<sub>3</sub>)।

**Q.58** सहभागी लोकतंत्र का विचार उत्पन्न हुआ:

- अरस्तू
- लॉक
- सिसरो
- रूसो

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर: (D) रूसो

**स्पष्टीकरण:**

→ सहभागी लोकतंत्र का विचार फ्रांसीसी दार्शनिक जीन-जैक्स रूसो से सबसे अधिक जुड़ा हुआ है। अपनी रचना "द सोशल कॉन्ट्रैक्ट" (1762) में, रूसो ने राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में नागरिकों की प्रत्यक्ष भागीदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने तर्क दिया कि संप्रभुता लोगों के पास होनी चाहिए, और एक सच्ची लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कानूनों और नीतियों को आकार देने में सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

→ रूसो का मानना था कि शासन में व्यक्तियों की प्रत्यक्ष भूमिका होनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि सामान्य इच्छा, जो लोगों के सामूहिक हितों का प्रतिनिधित्व करती है, निर्णयों का मार्गदर्शन करे।

**Additional Information (अन्य विकल्प):**

**विकल्प (A) अरस्तू:** अरस्तू ने अपनी रचना "राजनीति" में लोकतंत्र और शासन में नागरिकों की भूमिका पर चर्चा की, लेकिन उनके विचार सभी लोगों के लिए पूर्ण सहभागी मॉडल के बजाय नागरिकों के एक चुनिंदा समूह की भूमिका पर अधिक केंद्रित थे।

**विकल्प (B) लॉक:** जॉन लॉक के सिद्धांत प्राकृतिक अधिकारों और सहमति से शासन पर केंद्रित थे, लेकिन उन्होंने रूसो की तरह राजनीतिक प्रक्रिया में प्रत्यक्ष भागीदारी पर ज़ोर नहीं दिया।

**विकल्प (C) सिसरो:** रोमन राजनेता और दार्शनिक सिसरो ने राजनीतिक सिद्धांत में योगदान दिया, लेकिन उनके विचारों ने रूसो की तरह सहभागी लोकतंत्र को बढ़ावा नहीं दिया। उनका ध्यान गणतांत्रिक शासन और मिश्रित संविधानों पर था।

**Q.59** बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी (BRLPS), जिसे व्यापक रूप से JEEViKA के रूप में जाना जाता है, की स्थापना किस वर्ष की गई थी?

- A. 2005
- B. 2007
- C. 2010
- D. 2012

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: (b) 2007

**व्याख्या:**

- बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी (BRLPS), जिसे JEEViKA के नाम से भी जाना जाता है, की स्थापना वर्ष 2007 में हुई थी।
- इसकी शुरुआत विश्व बैंक (World Bank) के सहयोग से हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण विकास था, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाना और सामुदायिक आधारित विकास को बढ़ावा देना।

**Information Booster:**

- JEEViKA बिहार में ग्रामीण विकास की एक प्रमुख पहल बन चुकी है।
- इसका मुख्य ध्यान स्वयं सहायता समूह (Self-Help Groups), ग्रामीण उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है।

**Q.60** यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (UIP) के तहत, राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तर पर मुफ्त टीकाकरण के लिए कितनी बीमारियों को कवर किया गया है?

- A. 5
- B. 7
- C. 9
- D. 12

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर (D) 12 है

**व्याख्या:**

- भारत का यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (UIP) दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है।
- यह 12 जानलेवा बीमारियों के खिलाफ मुफ्त टीके प्रदान करता है।
- इनमें शामिल हैं: तपेदिक, डिप्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, पोलियो, हेपेटाइटिस B, हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप b (Hib) के कारण होने वाला निमोनिया और मेनिनजाइटिस, खसरा, रूबेला, जापानी एन्सेफलाइटिस (JE), रोटावायरस डायरिया और न्यूमोकोकल रोग (PCV)।

**Information Booster**

- **राष्ट्रीय कवरेज:** 10 बीमारियों के टीके राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किए जाते हैं।
- **उप-राष्ट्रीय/क्षेत्रीय:** जापानी एन्सेफलाइटिस और न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (PCV) के टीके चरणबद्ध तरीके से या स्थानिक जिलों में पेश किए गए थे।
- **मिशन इंद्रधनुष:** उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए पूर्ण टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए 2014 में शुरू किया गया जो नियमित कार्यक्रम से चूक गए थे।

**Additional Knowledge:**

- **विकास:** कार्यक्रम 1985 में शुरू हुआ था; शिशु और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर को कम करने के लिए कवर की जाने वाली बीमारियों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में काफी विस्तार हुआ है।

**Q.61** यकृत में लोहे के बड़े भंडार के कारण \_\_\_\_\_ नामक स्थिति उत्पन्न होती है।

- A. एनीमिया
- B. ऑस्टियोमलेशिया
- C. हेमोसाइडरोसिस
- D. काशिओरकोर

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर C है: हीमोसाइडरोसिस

**व्याख्या**

हीमोसाइडरोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें यकृत और अन्य अंगों में अतिरिक्त लोहा जमा हो जाता है, जो मुख्य रूप से बार-बार रक्त आधान या आयरन ओवरलोड विकारों के कारण होता है। यह समय के साथ यकृत को नुकसान पहुँचा सकता है और अंगों की शिथिलता का कारण बन सकता है।

**मुख्य बिंदु**

- यकृत, प्लीहा और फेफड़ों जैसे अंगों में अत्यधिक आयरन जमा होने के कारण होता है।
- लगातार रक्त आधान या हेमोलिसिस के परिणामस्वरूप हो सकता है।
- **हीमोक्रोमेटोसिस के विपरीत**, यह हमेशा ऊतक क्षति का कारण नहीं बनता है।

**Additional Information**

- **एनीमिया:** लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम होने की स्थिति, जिससे थकान और कमजोरी होती है।
- **ऑस्टियोमलेशिया:** विटामिन डी की कमी के कारण हड्डियों में नरमी आने का एक रोग।
- **क्वाशिओरकोर:** कुपोषित बच्चों में देखा जाने वाला एक प्रोटीन की कमी वाला विकार, जिससे सूजन और लीवर को नुकसान होता है।

**Q.62** महाराष्ट्र में सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने वाले प्रार्थना समाज के संस्थापक कौन थे?

- आत्माराम पांडुरंग
- गोपाल कृष्ण गोखले
- केशव चंद्र सेन
- दादाभाई नौरोजी

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर **A** है: आत्माराम पांडुरंग

**व्याख्या**

आत्माराम पांडुरंग द्वारा 1867 में स्थापित प्रार्थना समाज का उद्देश्य महाराष्ट्र में सामाजिक और धार्मिक सुधार लाना था। ब्रह्म समाज से प्रभावित होकर, इसने एकेश्वरवाद, महिला अधिकारों और सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया।

**मुख्य बिंदु महाराष्ट्र में सामाजिक और धार्मिक सुधार**

- आत्माराम पांडुरंग ने 1867 में प्रार्थना समाज की स्थापना की, जिसे बाद में एम.जी. रानाडे ने और मज़बूत किया।
- महिला शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह और जाति सुधारों की वकालत की।
- महाराष्ट्र के सामाजिक-धार्मिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**Additional Information**

- **गोपाल कृष्ण गोखले:** सामाजिक सुधारों के लिए सर्वेक्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी (1905) की स्थापना की।
- **केशव चंद्र सेन:** ब्रह्म समाज के एक प्रमुख नेता, जिन्होंने धार्मिक सुधारों को आगे बढ़ाया।
- **दादाभाई नौरोजी:** भारत के ग्रैंड ओल्ड मैन के रूप में जाने जाते हैं, ब्रिटिश संसद में पहले भारतीय सांसद।

**Q.63** यूकेरियोटिक कोशिकाओं के निम्नलिखित में से किस अंग को आत्मघाती थैला भी कहा जाता है?

- गॉली बाँडी
- माइटोकॉन्ड्रिया
- लाइसोसोम
- क्लोरोप्लास्ट

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है: **C) लाइसोसोम**

**स्पष्टीकरण:**

- **लाइसोसोम** यूकेरियोटिक कोशिकाओं में झिल्ली से बंधे हुए अंग होते हैं जिनमें पाचन एंजाइम होते हैं।
- वे घिसे-पिटे अंगकों, खाद्य कणों और निगले हुए रोगाणुओं को तोड़ देते हैं।
- चूंकि ये फटने पर कोशिका को ही पचा सकते हैं, इसलिए इन्हें **कोशिका का "आत्मघाती थैला"** कहा जाता है।

**Information Booster:**

- **1955 में क्रिश्चियन डी ड्यूवे** द्वारा खोजा गया।
- अम्लीय pH पर सक्रिय **हाइड्रोलाइटिक एंजाइम** होते हैं।
- **ऑटोफैगी** (स्व-पाचन) और **एपोटोसिस** (क्रमादेशित कोशिका मृत्यु) में सहायता।
- हानिकारक पदार्थों को पचाकर कोशिका की रक्षा करें।
- असामान्य लाइसोसोमल कार्य के कारण **टे-सैक्स रोग** जैसी बीमारियाँ होती हैं।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **गॉल्जी बॉडी** - प्रोटीन की पैकेजिंग, संशोधन और परिवहन में शामिल।
- **माइटोकॉन्ड्रिया** - "कोशिका का पावरहाउस" के रूप में जाना जाता है, एटीपी उत्पादन का स्थल।
- **क्लोरोप्लास्ट** - पौधों की कोशिकाओं में पाया जाता है, प्रकाश संश्लेषण का स्थल, जिसे "कोशिका का रसोईघर" कहा जाता है।

**Q.64** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 को किस संशोधन द्वारा संशोधित किया गया था?

- A. 24 वें
- B. 7 वें
- C. 2
- D. 20 वें

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) 24वाँ

**स्पष्टीकरण:**

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 368 संसद की संविधान में संशोधन करने की शक्ति से संबंधित है। इसे पहली बार 1971 के 24वें संशोधन अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया था, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि संसद को संविधान के मूल ढांचे को प्रभावित किए बिना, मौलिक अधिकारों सहित, संविधान के किसी भी भाग में संशोधन करने का अधिकार है। 24वाँ संशोधन केशवानंद भारती मामले (1973) का जवाब था, जहाँ सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती है, लेकिन उसके "मूल ढांचे" में बदलाव नहीं कर सकती।

**Additional Information (अन्य विकल्प):**

**विकल्प (B) 7वाँ:** 7वाँ संशोधन (1956) ने राज्यों का पुनर्गठन किया, लेकिन अनुच्छेद 368 में संशोधन नहीं किया।

**विकल्प (C) 2वाँ:** दूसरा संशोधन (1952) मुख्य रूप से संसद में राज्यों के प्रतिनिधित्व से संबंधित था, लेकिन अनुच्छेद 368 को प्रभावित नहीं करता था।

**विकल्प (D) 20वाँ:** 20वाँ संशोधन (1966) राष्ट्रपति की शक्तियों पर केंद्रित था, लेकिन अनुच्छेद 368 में कोई बदलाव नहीं किया।

**Q.65** निम्नलिखित में से किस राजा ने कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण कराया था?

- A. कुदेपासिरी
- B. महामेघ वाहन
- C. नरसिंहदेव प्रथम
- D. वक्रदेव

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (C) नरसिंहदेव प्रथम है

**स्पष्टीकरण:**

- **कोणार्क सूर्य मंदिर** का निर्माण **पूर्वी गंगा वंश** के **राजा नरसिंहदेव प्रथम** ने करवाया था।

- नरसिंहदेव प्रथम ने **1238 से 1264** तक शासन किया और सूर्य देव (**सूर्य**) को समर्पित इस अद्भुत मंदिर का निर्माण कराया।

- यह मंदिर अपनी **वास्तुशिल्प भव्यता** के लिए प्रसिद्ध है और इसका निर्माण पूर्वी भारत, विशेष रूप से **ओडिशा** में गंगा राजवंश की भव्यता का प्रतीक है।।

**Information Booster:**

- **कोणार्क सूर्य मंदिर** एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और अपनी **रथ के आकार की संरचना** के लिए जाना जाता है, जो सात घोड़ों द्वारा खींचे जा रहे सूर्य रथ का एक प्रतिष्ठित चित्रण है।

- इसे **भारतीय वास्तुकला की सबसे बड़ी उपलब्धियों** में से एक माना जाता है, जिसमें जटिल पत्थर की नक्काशी और मूर्तियां प्रदर्शित हैं।

- इस मंदिर का निर्माण **13वीं शताब्दी** में हुआ था और यह भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा के कोणार्क में स्थित है।

**Q.66** निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता रसीले पौधों की नहीं है?

- A. बिना पत्तियों वाला
- B. तना मौजूद है

- C. जड़ें मौजूद हैं  
D. सूखा प्रतिरोधी

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है (A) बिना पत्तियों वाला

**स्पष्टीकरण:**

- रसीले पौधे वे पौधे होते हैं जो शुष्क और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जीवित रहने के लिए अपनी पत्तियों, तनों या जड़ों में पानी जमा करते हैं।
- कई रसीले पौधों में पत्तियाँ होती हैं (जैसे, एलोवेरा, जेड प्लांट, एगोव, आदि), हालाँकि कैक्टस जैसे कुछ पौधों में पत्तियों के बजाय संशोधित कांटे होते हैं।
- इसलिए, "बिना पत्तियों वाला" कथन सभी रसीले पौधों की एक सार्वभौमिक विशेषता नहीं है।
- रसीले पौधे पानी की कमी को झेलने के लिए विशेष रूप से अनुकूलित होते हैं।
- ये रेगिस्तान, चट्टानी इलाकों और शुष्क क्षेत्रों में उग सकते हैं जलवायु।

**Information Booster:**

- सामान्य उदाहरण: एलोवेरा, कैक्टस, यूफोरबिया, जेड प्लांट।
- इनमें जल संग्रहण के लिए मोटे, मांसल ऊतक होते हैं।
- रसीले पौधों में CAM प्रकाश संश्लेषण (क्रसुलेसियन एसिड मेटाबॉलिज्म) होता है - ये जल हानि को कम करने के लिए रात में रंध्र खोलते हैं।
- जड़ें उथली होती हैं लेकिन वर्षा जल को शीघ्र अवशोषित करने के लिए व्यापक रूप से फैली होती हैं।
- रसीले पौधों का उपयोग सजावटी बागवानी और औषधि में भी किया जाता है।

**अतिरिक्त ज्ञान:**

- (B) तना मौजूद - सही है, तने पानी जमा करते हैं (जैसे, कैक्टस)।  
(C) जड़ें मौजूद हैं - सही है, जड़ें पानी सोखती हैं और जमा करती हैं।  
(D) सूखा-प्रतिरोधी - सही है, रसीले पौधे अत्यधिक सूखा-सहिष्णु होते हैं।

**Q.67** रेगिस्तान में रहने वाले जानवरों को कहा जाता है:

- A. रेगिस्तानी जानवर  
B. स्थलीय जानवर  
C. पेड़ों पर रहने वाले जानवर  
D. बिल खोदने वाले जानवर

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: (A) रेगिस्तानी जानवर

**Explanation:**

→ रेगिस्तान में रहने वाले जानवरों को रेगिस्तानी जानवर कहा जाता है। ये जानवर विशेष रूप से कठोर रेगिस्तानी परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए अनुकूलित होते हैं जहाँ पानी की कमी, अत्यधिक गर्मी और सूखापन होता है।

→ रेगिस्तानी जानवरों ने पानी बचाने, उच्च तापमान सहने और भोजन व पानी की कमी को झेलने की क्षमता जैसे तंत्र विकसित कर लिए हैं। उदाहरणों में ऊँट, साँप, बिच्छू और रेगिस्तानी छिपकलियाँ शामिल हैं।

**Information Booster:**

**रेगिस्तानी जानवरों के अनुकूलन:**

**जल संरक्षण:** कई रेगिस्तानी जानवर लंबे समय तक बिना पानी पिए रह सकते हैं, क्योंकि वे इसे अपने शरीर में जमा करते हैं।

**रात्रिचर व्यवहार:** कई रेगिस्तानी जानवर दिन की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए रात में सक्रिय रहते हैं।

**भोजन का कुशल उपयोग:** रेगिस्तानी जानवर आमतौर पर अवसरवादी भक्षक होते हैं, जो कठोर वातावरण में उपलब्ध चीजों को खाते हैं, जैसे पौधे, कीड़े, या छोटे स्तनधारी।

ऊँट सबसे प्रसिद्ध रेगिस्तानी जानवरों में से एक हैं, जो अपने वसा-भंडार वाले कूबड़ के कारण लंबे समय तक बिना पानी के जीवित रह सकते हैं, जो तापमान नियंत्रण में भी मदद करते हैं।

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (B) स्थलीय जानवर:** स्थलीय जानवर ज़मीन पर रहते हैं, लेकिन वे सिर्फ रेगिस्तान में ही नहीं, बल्कि कई तरह के पारिस्थितिक तंत्रों में रह सकते हैं। यह विकल्प बहुत व्यापक है और सिर्फ रेगिस्तानी आवासों तक सीमित नहीं है।

**विकल्प (C) पेड़ों पर रहने वाले जानवर:** पेड़ों पर रहने वाले जानवर, जैसे बंदर या पक्षी, ज़्यादातर जंगलों में पेड़ों पर रहते हैं, रेगिस्तान में नहीं। इसलिए, यह विकल्प रेगिस्तानी पारिस्थितिक तंत्रों पर लागू नहीं होता।

**विकल्प (D) बिल खोदने वाले जानवर:** हालाँकि खरगोश या ग्राउंडहॉग जैसे बिल खोदने वाले जानवर रेगिस्तान में रह सकते हैं, लेकिन सभी रेगिस्तानी जानवर बिल खोदने वाले नहीं होते। कुछ ज़मीन के ऊपर या गुफाओं में रह सकते हैं, इसलिए यह समग्र रूप से रेगिस्तानी जानवरों के लिए सबसे अच्छा वर्णन नहीं है।

**Q.68** किस ब्रिटिश गवर्नर जनरल ने पटना कॉलेज के निर्माण का आदेश दिया था?

- A. वॉरेन हेस्टिंग्स  
B. लॉर्ड कॉर्नवालिस  
C. लॉर्ड ऑकलैंड  
D. लॉर्ड डलहौजी

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है: (C) लॉर्ड ऑकलैंड

**व्याख्या:**

पटना कॉलेज, बिहार का सबसे पुराना कॉलेज और पूरे भारत का पाँचवाँ प्राचीनतम कॉलेज है, जिसकी स्थापना 19वीं सदी की शुरुआत में हुई थी। यह कॉलेज ब्रिटिश शासन और भारतीय समाज के संयुक्त प्रयासों का परिणाम था, जो उस समय क्षेत्र में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम था।

- **जुलाई 1835:** बिहार में आधुनिक शिक्षा की शुरुआत पटना में पहली हाईस्कूल की स्थापना के साथ हुई।
- **1839:** ब्रिटिश गवर्नर-जनरल **लॉर्ड ऑकलैंड** के आदेश पर पटना में एक केंद्रीय कॉलेज खोलने की योजना बनाई गई।
- **26 सितम्बर 1844:** इस स्कूल को कॉलेज का दर्जा मिला, लेकिन यह लगभग ढाई वर्षों बाद कई कारणों से बंद हो गया।
- **1856-57:** कॉलेज को पुनः खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन आपसी मतभेदों के कारण यह असफल रहा।
- **28 अप्रैल 1858:** बिहार में आधुनिक शिक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर पटना हाईस्कूल का नाम बदलकर पटना जिला स्कूल कर दिया गया।
- **15 नवंबर 1861:** सरकारी आदेश जारी हुआ, जिसके अनुसार पटना जिला स्कूल को पटना कॉलेज की संज्ञा दी गई।
- **अगस्त 1862:** यह स्कूल पटना कॉलेजिएट स्कूल के रूप में परिवर्तित हो गया।
- **9 जनवरी 1863:** इसे स्थायी रूप से पटना कॉलेज का दर्जा प्राप्त हुआ।

**अतिरिक्त जानकारी:**

- पटना कॉलेज को "पूरब का ऑक्सफोर्ड" के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र के शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा।
- इस कॉलेज ने कई प्रसिद्ध विद्वानों, नेताओं और सांस्कृतिक हस्तियों को जन्म दिया है।
- कॉलेज का इतिहास उतार-चढ़ावों से भरा रहा, लेकिन यह बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थान बनाए रखने में सफल रहा।
- इसकी स्थापना ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली को अपनाने और स्थानीय भारतीय समुदाय को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने की प्रारंभिक कोशिशों का उदाहरण है।

**Q.69** निम्नलिखित में से किसे भारतीय संसद के उच्च सदन के रूप में जाना जाता है?

- सर्वोच्च न्यायालय
- PMO
- राज्य सभा
- लोक सभा

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (C) राज्यसभा है

**स्पष्टीकरण:**

- **राज्यसभा** भारतीय संसद का उच्च सदन है, जो भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह **कानूनों की समीक्षा, बहस और पारित करने** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और **लोकसभा (निचले सदन)** पर नियंत्रण का काम करता है।
- सदस्यों का चुनाव राज्य विधानसभाओं द्वारा किया जाता है और कुछ को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता के लिए राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है।

**Information Booster:**

- **अधिकतम सदस्य संख्या:** 250 सदस्य (संविधान के **अनुच्छेद 80** के अनुसार)
- **कार्यकाल:** 6 वर्ष, प्रत्येक **2 वर्ष में 1/3 सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं**
- **पीठासीन अधिकारी:** भारत के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के **अध्यक्ष** हैं
- **विधायी शक्तियाँ:** गैर-धन विधेयक आरंभ और पारित कर सकते हैं, धन विधेयक में संशोधन का सुझाव दे सकते हैं (परन्तु उन्हें अस्वीकार नहीं कर सकते हैं)

**Additional Knowledge:**

- **संविधान के संबंधित अनुच्छेद:**
  - **अनुच्छेद 80:** राज्यसभा की संरचना

- अनुच्छेद 83: संसद की अवधि
- अनुच्छेद 84: सदस्यता के लिए योग्यता
- अनुच्छेद 102: सदस्यता के लिए अयोग्यताएँ
- संविधान का भाग: राज्यसभा भाग V - संघ (अध्याय II - संसद) के अंतर्गत आती है।
- लोकसभा: निचला सदन, नागरिकों द्वारा सीधे निर्वाचित, धन विधेयकों को संभालता है, इसका 5 वर्ष का कार्यकाल होता है।
- सर्वोच्च न्यायालय: सर्वोच्च न्यायिक निकाय, संसद का हिस्सा नहीं।
- PMO (प्रधानमंत्री कार्यालय): प्रशासनिक कार्यालय, विधायी निकाय नहीं।

**Q.70** इनमें से कौन सी भारतीय संघवाद की विशेषता नहीं है?

- A. स्वतंत्र न्यायपालिका
- B. लिखित संविधान
- C. दोहरी नागरिकता
- D. शक्तियों का विभाजन

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है: (c) दोहरी नागरिकता।

**स्पष्टीकरण:**

- भारतीय संघवाद की विशेषता एक एकल नागरिकता प्रणाली है, जिसका अर्थ है कि भारतीय नागरिकों के पास केवल एकल नागरिकता होती है, जो कि भारतीय है। भारत में कोई दोहरी नागरिकता नहीं है, जबकि कुछ संघीय देशों में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी नागरिकता होती है।
- भारत एक एकात्मक संघीय ढाँचे का पालन करता है जिसमें एक मज़बूत केंद्र सरकार होती है, और यह अपने नागरिकों को केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर नागरिकता रखने की अनुमति नहीं देता है।

**सूचना बूस्टर:**

- स्वतंत्र न्यायपालिका (विकल्प a): भारत के संविधान का अनुच्छेद 50 एक स्वतंत्र न्यायपालिका सुनिश्चित करता है, जो कार्यपालिका और विधायिका की शक्तियों पर एक महत्वपूर्ण नियंत्रण का काम करती है।
- लिखित संविधान (विकल्प b): भारत में एक लिखित संविधान (अनुच्छेद 368) है जो केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संबंधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है।
- शक्तियों का विभाजन (विकल्प d): संविधान संघ और राज्यों के बीच शक्तियों को तीन सूचियों में विभाजित करता है: संघ सूची, राज्य सूची, और समवर्ती सूची (अनुच्छेद 246)।

**अतिरिक्त ज्ञान:**

- संघवाद से संबंधित अनुच्छेद:
  - अनुच्छेद 1: भारत को राज्यों के संघ के रूप में परिभाषित करता है।
  - अनुच्छेद 246: संघ और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों के वितरण से संबंधित है।
  - अनुच्छेद 368: संविधान में संशोधन की प्रक्रिया प्रदान करता है, जो भारत की संघीय प्रकृति को दर्शाता है।

**Q.71** मैकमोहन रेखा किसके बीच स्थित होती है:

- A. भारत और पाकिस्तान
- B. भारत और चीन
- C. भारत और श्रीलंका
- D. चीन और पाकिस्तान

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) भारत और चीन

**Explanation:**

→ मैकमोहन रेखा वह सीमा रेखा है जो अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में भारत और चीन के बीच सीमा निर्धारित करती है।

→ यह रेखा 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच शिमला समझौते के दौरान खींची गई थी, जिसमें सर हेनरी मैकमोहन ब्रिटिश सरकार के मुख्य वार्ताकार थे। इस रेखा का उद्देश्य भारत की उत्तर-पूर्वी सीमा निर्धारित करना था, लेकिन यह भारत और चीन के बीच तनाव का कारण रही है।

**Information Booster:**

→ यह रेखा भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। चीन मैकमोहन रेखा को मान्यता नहीं देता और अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताता है, जिसके कारण सीमा विवाद जारी है।

→ यह रेखा हिमालय के पूर्वी भाग से होकर गुजरती है, जो दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्र है।

**Additional Information (Other Options):**

**विकल्प (A) भारत और पाकिस्तान:** भारत पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करता है, लेकिन कश्मीर में मुख्य विभाजन रेखा नियंत्रण रेखा है, मैकमोहन रेखा नहीं।

**विकल्प (C) भारत और श्रीलंका:** पाक जलडमरूमध्य भारत और श्रीलंका के बीच सीमा बनाता है, मैकमोहन रेखा नहीं।

**विकल्प (D) चीन और पाकिस्तान:** चीन-पाकिस्तान सीमा पूरी तरह से अलग है और इसमें अन्य समझौते शामिल हैं, जिनका मैकमोहन रेखा से कोई संबंध नहीं है।

**Q.72** भारतीय संविधान के तहत न्यायिक समीक्षा की शक्ति कहाँ तक सीमित है:

- विधि की उचित प्रक्रिया
- कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया
- संविधान में निर्धारित प्रक्रिया
- न्यायपालिका द्वारा दी गई प्रक्रिया

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया

**Explanation:**

→ भारत में, न्यायिक समीक्षा की शक्ति मुख्यतः संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत "कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया" से संबंधित है।

→ न्यायिक समीक्षा अदालतों को यह जाँचने की अनुमति देती है कि क्या कानून या कार्य संविधान के अनुरूप हैं, लेकिन यह समीक्षा केवल यह सुनिश्चित करने तक सीमित है कि कानून संविधान और विधानों में उल्लिखित प्रक्रियात्मक निष्पक्षता का पालन करते हैं।

**Additional Information:**

**विकल्प (A) विधि की उचित प्रक्रिया:** यह अमेरिकी संविधान का हिस्सा है और भारत में इसे नहीं अपनाया गया है। भारत उचित प्रक्रिया के बजाय "विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया" का पालन करता है।

**विकल्प (C) संविधान में निर्धारित प्रक्रिया:** न्यायपालिका की समीक्षा शक्ति केवल संविधान में निर्धारित प्रक्रियाओं तक ही सीमित नहीं है; यह इस बात पर अधिक केंद्रित है कि क्या कानून संवैधानिक सिद्धांतों का पालन करते हैं।

**विकल्प (D) न्यायपालिका द्वारा दी गई प्रक्रिया:** न्यायिक समीक्षा न्यायपालिका द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं द्वारा प्रतिबंधित नहीं है, बल्कि संसद द्वारा अधिनियमित देश के कानून द्वारा प्रतिबंधित है।

**Q.73** विधान परिषद वाले राज्य की विधान परिषद के सदस्यों की कुल संख्या उस राज्य की विधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या के \_\_\_\_\_ से अधिक नहीं होगी।

- 1/4
- 1/3
- 2/3
- 1/6

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: (b) 1/3

**व्याख्या:**

• भारतीय संविधान के अनुच्छेद 171 के अनुसार, किसी राज्य की **विधान परिषद (Legislative Council)** के कुल सदस्यों की संख्या उस **राज्य की विधानसभा (Legislative Assembly)** के कुल सदस्यों की संख्या के **एक-तिहाई (1/3)** से अधिक नहीं हो सकती।

• यह सुनिश्चित करता है कि विधान परिषद का आकार विधानसभा से छोटा या उसके बराबर रहे, जिससे राज्य की द्विसदनीय संरचना संतुलित बनी रहे।

• विधानसभा **निचला सदन (Lower House)** है, जबकि विधान परिषद **उच्च सदन (Upper House)** है।

• यह प्रावधान उन राज्यों पर लागू होता है जहाँ द्विसदनीय विधानमंडल है, जैसे बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश।

**Information Booster:**

• **विधान परिषद एक पुनरीक्षण सदन (Revising Chamber)** के रूप में कार्य करता है और वित्तीय मामलों में इसे विधानसभा जैसी शक्तियाँ प्राप्त नहीं हैं।

• **विधानसभा को विधायी नियंत्रण और निर्णय लेने की दृष्टि से अधिक शक्तिशाली सदन माना जाता है।**

**Q.74** निम्नलिखित में से किस वर्ष मुस्लिम लीग ने मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के लिए स्वायत्तता की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया?

- 1944
- 1940

- C. 1935  
D. 1937

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: **B) 1940**

**स्पष्टीकरण:**

- मुस्लिम लीग ने **23 मार्च 1940 को लाहौर प्रस्ताव** पारित किया, जिसमें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के लिए स्वायत्तता की मांग की गई थी।
- इसे लाहौर के मिंटो पार्क में आयोजित वार्षिक अधिवेशन में अपनाया गया था।
- यह प्रस्ताव पाकिस्तान की मांग का आधार बना।
- इसने भारत के उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में स्वतंत्र राज्यों की मांग की।

**Information Booster:**

- इस प्रस्ताव को **पाकिस्तान प्रस्ताव** भी कहा जाता है।
- इसे बंगाल के प्रधानमंत्री फजलुल हक ने प्रस्तुत किया था।
- इस अधिवेशन की **अध्यक्षता मुहम्मद अली जिन्ना** ने की थी।
- यह स्वतंत्रता से पहले भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।
- इसने एक संविधान के तहत अखंड भारत के विचार को खारिज कर दिया।

**Q.75** भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव निम्नलिखित द्वारा किया जाता है:

- A. राज्य सभा के सदस्य  
B. संसद के दोनों सदनों के सदस्य  
C. लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के सदस्य  
D. भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: **(B) संसद के दोनों सदनों के सदस्य**

भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों (अर्थात, राज्यसभा और लोकसभा) के सदस्यों द्वारा किया जाता है, और चुनाव भारत के चुनाव आयोग द्वारा संचालित किया जाता है। चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व का उपयोग करते हुए एकल संक्रमणीय मत प्रणाली के माध्यम से होता है, जहाँ प्रत्येक सदस्य एक उम्मीदवार के लिए वोट डालता है, और वोट तब तक स्थानांतरित होते रहते हैं जब तक कि एक उम्मीदवार को बहुमत प्राप्त नहीं हो जाता।

**चुनाव प्रक्रिया:**

- **निर्वाचक मंडल:** राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल का गठन करते हैं।
- **आनुपातिक प्रतिनिधित्व:** निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए मतदान एकल संक्रमणीय मत प्रणाली के माध्यम से किया जाता है।
- **बहुमत आवश्यक:** निर्वाचित होने के लिए किसी उम्मीदवार को बहुमत की आवश्यकता होती है। यदि पहले चरण में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिलता है, तो विजेता घोषित होने तक वोट अगली वरीयताओं में स्थानांतरित कर दिए जाते हैं।

**Information Booster:**

**उपराष्ट्रपति की भूमिका:** उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है और पद रिक्त होने पर राष्ट्रपति की भूमिका निभाता है।

**योग्यताएँ:** उपराष्ट्रपति भारतीय होना चाहिए, उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए, और वह राज्यसभा का सदस्य चुने जाने के योग्य होना चाहिए।

**कार्यकाल:** उपराष्ट्रपति पाँच वर्ष के लिए पद पर रहता है, लेकिन उसे पुनः निर्वाचित किया जा सकता है।

**चुनाव प्रक्रिया:** उपराष्ट्रपति का चुनाव एकल संक्रमणीय मत प्रणाली का उपयोग करके गुप्त मतदान द्वारा किया जाता है।

**Additional Information (अन्य विकल्प):**

**विकल्प (A) राज्यसभा के सदस्य:** गलत। उपराष्ट्रपति का चुनाव केवल राज्यसभा के सदस्यों द्वारा नहीं किया जाता; संसद के दोनों सदन इस चुनाव में भाग लेते हैं।

**विकल्प (C) लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के सदस्य:** गलत। विधानसभाओं के सदस्य भारत के राष्ट्रपति के लिए मतदान करते हैं, लेकिन वे उपराष्ट्रपति के चुनाव में भाग नहीं लेते।

**विकल्प (D) भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत:** गलत। उपराष्ट्रपति का चुनाव राष्ट्रपति द्वारा नहीं किया जाता, बल्कि संसद के दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा सीधे किया जाता है।

**Q.76** राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का गठन किस अनुच्छेद के तहत किया गया है?

- A. अनुच्छेद 338  
B. अनुच्छेद 348 A  
C. अनुच्छेद 338 B  
D. अनुच्छेद 349

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: (a) अनुच्छेद 338

**स्पष्टीकरण:**

**राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC)** का गठन **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 338** के अंतर्गत किया गया है।

यह एक महत्वपूर्ण निकाय है जो अनुसूचित जातियों को प्रदान किए गए सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की निगरानी करता है और उनके सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित मुद्दों पर **भारत के राष्ट्रपति** को सिफारिशें करता है।

**Information Booster:**

- **स्थापना:** 89वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा।
- **संरचना:** अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 3 सदस्य।
- **अनुच्छेद 338, संरचना, शक्तियाँ और कार्य** आयोग की संरचना, शक्तियाँ और कार्य के लिए प्रावधान करता है।
- **NCSC** को अनुसूचित जातियों की स्थिति में सुधार के लिए उपायों की सिफारिश करने का अधिकार है।

**Additional Knowledge:**

- **अनुच्छेद 348 A** – यह अनुच्छेद संघ और राज्य सरकारों में प्रयुक्त **राजभाषा** से संबंधित है।
- **अनुच्छेद 338 B** - आर्टिकल (338)B भारतीय संविधान का एक आर्टिकल है जो नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेस (NCBC) की स्थापना करता है, जो एक संवैधानिक संस्था है। –
- **अनुच्छेद 349** – यह अनुच्छेद संघ और राज्यों के बीच **भाषा के प्रयोग** से संबंधित है।

**Q.77** बिहार उद्यमी योजना नए उद्यम स्थापित करने के लिए कितनी वित्तीय सहायता प्रदान करती है?

- 5 लाख रुपये
- 10 लाख रुपये
- 20 लाख रुपये
- 50 लाख रुपये

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: **(b) 10 लाख रुपये**

**व्याख्या:**

- बिहार उद्यमी योजना के अंतर्गत नए उद्यम स्थापित करने के लिए अधिकतम **₹10 लाख** की वित्तीय सहायता दी जाती है।
- इस राशि में से ₹5 लाख **अनुदान** (जो वापस नहीं करना होता) के रूप में और शेष ₹5 लाख **बिना ब्याज ऋण** के रूप में दिया जाता है।

**Information Booster:**

- इस सहायता का उद्देश्य व्यक्तियों को अपना व्यवसाय स्थापित करने में सक्षम बनाना और **स्व-रोज़गार** को बढ़ावा देना है।

**Q.78** कालिदास के 'कुमारसंभवम्' में किस पौराणिक पात्र के जन्म की कहानी वर्णित है?

- सनत्कुमार
- कार्तिकेय
- प्रद्युम्न
- अभिमन्यु

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (b) कार्तिकेय

**स्पष्टीकरण:**

- कालिदास का "कुमारसंभवम्" एक महाकाव्य संस्कृत काव्य है जो हिंदू युद्ध के देवता कार्तिकेय के जन्म का वर्णन करता है।
- यह काव्य शिव और पार्वती के विवाह की कहानी बताता है, और कैसे उनके पुत्र, कार्तिकेय का जन्म राक्षस तारकसुर को हराने के लिए हुआ था।
- यह रचना अपनी गीतात्मक सुंदरता के लिए जानी जाती है और इसे कालिदास की महानतम रचनाओं में से एक माना जाता है।

**Information Booster:**

- कार्तिकेय, जिन्हें स्कंद, मुरुगन, या सुब्रह्मण्य के नाम से भी जाना जाता है, भारत के विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर दक्षिणी राज्यों में पूजनीय हैं।
- कुमारसंभवम् काव्य श्लोकों में रचित है और प्रेम, कर्तव्य, और ईश्वरीय हस्तक्षेप जैसे विषयों से संबंधित है।
- महानतम शास्त्रीय संस्कृत लेखकों में से एक, कालिदास, शकुंतला और रघुवंश जैसी रचनाओं के लिए जाने जाते हैं।
- कार्तिकेय के जन्म की कहानी कई किंवदंतियों का केंद्र है, और तारकसुर पर उनकी विजय हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण मिथक है।

**Additional Knowledge:**

- सनत्कुमार (a): एक ऋषि और कुमारों में से एक, लेकिन *कुमारसंभवम्* का केंद्रीय पात्र नहीं।
- प्रद्युम्न (c): कृष्ण और रुक्मिणी के पुत्र, कार्तिकेय की कहानी से असंबंधित।
- अभिमन्यु (d): अर्जुन और सुभद्रा के पुत्र, जिन्हें महाभारत में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है, जो *कुमारसंभवम्* से संबंधित नहीं है।

**Q.79** आवर्त सारणी के आवर्तों में बाएँ से दाएँ जाने पर प्रवृत्ति के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है:

- तत्वों की प्रकृति कम धात्विक हो जाती है
- संयोजी इलेक्ट्रॉनों की संख्या में वृद्धि
- परमाणु अपने इलेक्ट्रॉन अधिक आसानी से खो देते हैं
- तत्व के ऑक्साइड अधिक अम्लीय हो जाते हैं

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है: (c) परमाणु अपने इलेक्ट्रॉन अधिक आसानी से खो देते हैं।

**स्पष्टीकरण:**

- आवर्त में बाएँ से दाएँ जाने पर,
- धात्विक गुण घटता है (कथन a सही है)।
- समूह 1 → समूह 18 में जाने पर संयोजकता इलेक्ट्रॉन बढ़ते हैं (कथन b सही है)।
- अधात्विक ऑक्साइड अधिक अम्लीय होते हैं, धात्विक ऑक्साइड क्षारीय होते हैं → इसलिए ऑक्साइड अधिक अम्लीय हो जाते हैं (कथन d सही है)।
- लेकिन परमाणु अधिक आसानी से इलेक्ट्रॉन नहीं खोते; इसके बजाय, आयनन ऊर्जा बढ़ जाती है, इसलिए परमाणु इलेक्ट्रॉनों को अधिक मजबूती से पकड़ते हैं।

**Information Booster:**

- आवर्त में आयनन ऊर्जा और विद्युत ऋणात्मकता बढ़ती है।
- आवर्त में परमाणु त्रिज्या घटती है।
- आवर्त में धात्विक → अधात्विक गुण संक्रमण स्पष्ट होता है।

**• ऑक्साइड की प्रवृत्ति:**

- बाएँ (Na<sub>2</sub>O, MgO) = क्षारीय
- मध्य (Al<sub>2</sub>O<sub>3</sub>) = उभयधर्मी
- दाएँ (SO<sub>2</sub>, Cl<sub>2</sub>O<sub>7</sub>) = अम्लीय
- समूह 18 के तत्व (उत्कृष्ट गैसें) → स्थिर, अक्रिय।

**Additional Knowledge:**

- (a) सही: धात्विक → अधात्विक।
- (b) सही: संयोजकता इलेक्ट्रॉन 1 (समूह 1) से बढ़कर 8 (समूह 18) हो जाते हैं।
- (d) सही: ऑक्साइड की अम्लीय प्रकृति आवर्त में बढ़ती है।

**Q.80** इंटरनेशनल रेल कोच एक्सपो (IRCE) 2026 का आयोजन इंटीग्रल कोच फैक्ट्री द्वारा किस संगठन के सहयोग से किया गया था?

- A. FICCI
- B. नीति आयोग
- C. भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)
- D. ASSOCHAM

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (c) भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) है।

**व्याख्या:**

- IRCE 2026 इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) और भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है।
- इस साझेदारी का उद्देश्य सरकारी विनिर्माण इकाइयों और निजी उद्योग प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के बीच की खाई को पाटना है।
- CII नेटवर्किंग के लिए मंच प्रदान करता है, जबकि ICF तकनीकी आधार और प्रौद्योगिकियों के लिए "वास्तविक दुनिया" के अनुप्रयोगों का प्रदर्शन प्रदान करता है।
- CII को शामिल करके, एक्सपो वैश्विक और भारतीय कंपनियों की एक विस्तृत श्रृंखला की भागीदारी सुनिश्चित करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलता है।
- इन दोनों निकायों के बीच तालमेल भारत को रेलवे बुनियादी ढांचे और विनिर्माण में एक वैश्विक नेता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करता है।

**Information Booster:**

- भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) भारत में एक प्रमुख व्यावसायिक संघ है, जिसकी स्थापना 1895 में हुई थी, जो भारत के विकास के अनुकूल वातावरण बनाने और उसे बनाए रखने के लिए काम करता है।
- ICF चेन्नई भारतीय रेलवे की एकमात्र उत्पादन इकाई है जिसका अपना डिजाइन और विकास विंग है, जिसने वंदे भारत परियोजना के लिए उद्योग भागीदारों के साथ मिलकर काम किया।

**Additional Knowledge:**

- FICCI (विकल्प a): फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, एक अन्य प्रमुख व्यापार संगठन है, लेकिन इस विशिष्ट एक्सपो के लिए प्राथमिक सहयोगी नहीं है।
- नीति आयोग (विकल्प b): भारत सरकार का नीति थिंक-टैंक जो रणनीतिक और तकनीकी सलाह प्रदान करता है लेकिन आमतौर पर उद्योग एक्सपो का सह-आयोजन नहीं करता है।
- ASSOCHAM (विकल्प d): एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया, व्यापार और वाणिज्य के हितों का प्रतिनिधित्व करता है।

**Q.81** निम्नलिखित में से कौन स्वतंत्र पार्टी का संस्थापक है?

- A. सी राजगोपालाचारी
- B. गोपाल कृष्ण गोखले
- C. वल्लभभाई पटेल
- D. कामराज

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर (a) सी. राजगोपालाचारी है।

**स्पष्टीकरण:**

- स्वतंत्र पार्टी की स्थापना 1959 में भारत के अंतिम गवर्नर-जनरल **सी. राजगोपालाचारी (राजाजी)** ने की थी।
- इसकी स्थापना जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की समाजवादी नीतियों के विरोध में हुई थी।
- पार्टी ने मुक्त उद्यम, कम सरकारी नियंत्रण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्त बाज़ार अर्थव्यवस्था की वकालत की।
- इसे ज़मींदारों, व्यापारिक समूहों और उद्योगपतियों का प्रबल समर्थन प्राप्त हुआ।
- 1970 के दशक के बाद पार्टी का प्रभाव कम हो गया और अंततः इसका अन्य विपक्षी दलों में विलय हो गया।

**Information Booster:**

- सी. राजगोपालाचारी को "**राजाजी**" भी कहा जाता था।
- वे भारत के अंतिम गवर्नर-जनरल (1948-1950) थे।
- लॉर्ड माउंटबेटन के बाद पहले भारतीय गवर्नर-जनरल।
- कांग्रेस की केंद्रीकरण और समाजवादी प्रवृत्तियों का विरोध।
- स्वतंत्र पार्टी 1967 के लोकसभा चुनावों में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी।

**Additional Knowledge:**

- **गोपाल कृष्ण गोखले** → **सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी (1905)** की स्थापना की।
- **वल्लभभाई पटेल** → भारत के लौह पुरुष के रूप में जाने जाते हैं, पहले उप-प्रधानमंत्री, रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **के. कामराज** → तमिलनाडु के कांग्रेस नेता, कांग्रेस में सुधार हेतु **कामराज योजना (1963)** के लिए प्रसिद्ध।

**Q.82** निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य में द्विसदनीय विधायिका है?

1. आंध्र प्रदेश
2. बिहार
3. कर्नाटक
4. महाराष्ट्र
5. तमिलनाडु
6. उत्तर प्रदेश

- A. 1, 2, 3 और 6  
B. 3, 4, 5 और 6  
C. 1, 2, 3, 4 और 6  
D. 1, 3, 4 और 6

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर: (C) 1, 2, 3, 4 और 6

**Explanation:**

द्विसदनीय विधायिका का अर्थ है कि राज्य में दो सदन होते हैं: विधान सभा (विधानसभा) और विधान परिषद (विधान परिषद)। भारत के सभी राज्यों में द्विसदनीय विधायिका नहीं है।

द्विसदनीय विधायिका वाले राज्य हैं:

1. आंध्र प्रदेश
2. बिहार
3. कर्नाटक
4. महाराष्ट्र
6. उत्तर प्रदेश

हालाँकि, तमिलनाडु में विधान परिषद (विधान परिषद) नहीं है, जिससे यह एकसदनीय विधायिका है।

**Q.83** कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड का सही सूत्र है:

- A.  $Ca(OH)_2$   
B.  $Ca_2OH$   
C.  $CaOH_2$   
D.  $CaOH$

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: (A)  $Ca(OH)_2$

**स्पष्टीकरण:**

- कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड एक **प्रबल क्षार** है जो कैल्शियम ऑक्साइड ( $CaO$ ) के जल के साथ अभिक्रिया करने पर बनता है।

- इसका रासायनिक सूत्र  $\text{Ca(OH)}_2$  है, जो दर्शाता है कि एक कैल्शियम आयन दो हाइड्रॉक्साइड आयनों के साथ संयोजित होता है।

**Information Booster:**

- इसे **बुझा हुआ चूना** भी कहा जाता है।
- **जल उपचार, निर्माण (मोर्टार), और कृषि** में उपयोग किया जाता है।
- $\text{CO}_2$  के साथ अभिक्रिया करके **कैल्शियम कार्बोनेट ( $\text{CaCO}_3$ )** बनाता है।
- **क्विकलाइम ( $\text{CaO}$ )** में पानी मिलाकर बनाया जाता है।
- पानी में थोड़ा घुलनशील, जिससे **चूने का पानी** बनता है

**Q.84** कोइलवर पुल \_\_\_\_\_ पर स्थित है।

- बूढ़ी गंडक नदी
- बागमती नदी
- कोसी नदी
- सोन नदी

**Answer:** D

**Sol:** सही जवाब है (d) सोन नदी

स्पष्टीकरण:

- कोइलवर पुल, जिसे आधिकारिक तौर पर अब्दुल बारी पुल के नाम से भी जाना जाता है, सोन नदी पर बना एक ऐतिहासिक रेल-सह-सड़क पुल है। यह भोजपुर जिले के कोइलवर में स्थित है, जो बिहार की राजधानी पटना को आरा शहर से जोड़ता है। यह पुल ब्रिटिश काल में बनाया गया एक प्रमुख इंजीनियरिंग मील का पत्थर है; इसका निर्माण 1856 में शुरू हुआ और 1862 में पूरा हुआ। यह भारत का सबसे पुराना चालू रेलवे पुल होने का गौरव रखता है और एक समय भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे लंबा पुल था (1900 तक)। इस पुल को जॉर्ज टर्नबुल ने डिज़ाइन किया था, जिन्हें अक्सर "भारत का पहला रेलवे इंजीनियर" कहा जाता है।

**Information Booster:**

- यह पुल कंक्रीट और स्टील से बना एक जालीदार गर्डर डिज़ाइन है, जिसकी लंबाई लगभग 1.44 किमी (4,726 फीट) है।
- दिसंबर 2020 में, पुराने पुल पर ट्रैफिक का बोझ कम करने के लिए वशिष्ठ नारायण सेतु (प्रसिद्ध गणितज्ञ के नाम पर) नामक एक नए समानांतर छह-लेन सड़क पुल का उद्घाटन किया गया।
- सोन नदी, जिस पर यह पुल बना है, गंगा की सबसे बड़ी दक्षिणी सहायक नदियों में से एक है और मध्य प्रदेश के अमरकंटक पठार से निकलती है।
- यह पुल अकादमी पुरस्कार विजेता फिल्म गांधी (1982) के दृश्यों में प्रसिद्ध रूप से दिखाया गया है।

**Additional Knowledge:**

बूढ़ी गंडक नदी (विकल्प a)

- यह नदी उत्तरी बिहार से होकर बहती है और खगड़िया के पास गंगा में मिल जाती है।
- इसे इसके ऊपरी हिस्सों में सिकरहना के नाम से जाना जाता है और यह कोइलवर पुल का स्थान नहीं है।

बागमती नदी (विकल्प b)

- नेपाल और बिहार की एक प्रमुख नदी, जिसे हिंदू पवित्र मानते हैं।
- यह सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों से होकर बहती है लेकिन इसका कोइलवर इंफ्रास्ट्रक्चर से कोई संबंध नहीं है।

कोसी नदी (विकल्प c)

- अपनी लगातार और विनाशकारी बाढ़ के कारण इसे "बिहार का शोक" कहा जाता है।
- कोसी पर बने प्रमुख पुलों में कोसी महासेतु (निर्मली और भपतियाही को जोड़ने वाला) शामिल है, लेकिन कोइलवर पुल नहीं।

**Q.85** गंगा नदी पर राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 इलाहाबाद को \_\_\_\_\_ से जोड़ता है।

- कोलकाता
- हल्दिया
- पटना
- हुगली

**Answer:** B

**Sol:** The correct answer is: **B) Haldia**

सही उत्तर है: **B) हल्दिया**

स्पष्टीकरण:

- **गंगा नदी पर राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 (NW-1) इलाहाबाद (प्रयागराज) को कोलकाता के पास स्थित हल्दिया से जोड़ता है।**
- हल्दिया हुगली नदी पर एक महत्वपूर्ण **बंदरगाह** के रूप में कार्य करता है, जो गंगा की एक सहायक नदी है।

- जलमार्ग का उपयोग अंतर्देशीय जल परिवहन के लिए किया जाता है, विशेष रूप से कोयला, सीमेंट और कृषि वस्तुओं जैसे माल के परिवहन के लिए।

**Information Booster:**

- इलाहाबाद से हल्दिया तक की दूरी लगभग 1,620 किलोमीटर है और यह मार्ग क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण है।
- यह परियोजना माल ढुलाई के लिए अंतर्देशीय जलमार्ग विकसित करने तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने की भारत सरकार की पहल का हिस्सा है।
- हल्दिया बंदरगाह भारत के पूर्वी क्षेत्र के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।

**Q.86** एक दूधवाला ताजे दूध में थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा मिलाता है:

- दूध का स्वाद सुधारने के लिए
- दूध की स्थिरता में सुधार करने के लिए।
- दूध में क्रीम बढ़ाने के लिए
- दूध के अम्लीयकरण को रोकने के लिए

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर है: (D) दूध के अम्लीयकरण को रोकने के लिए स्पष्टीकरण:

- बेकिंग सोडा ( $\text{NaHCO}_3$ ) एक हल्का क्षार है।
- इसे दूध में मिलाने से दूध के खट्टा होने पर बनने वाला लैक्टिक एसिड बेअसर हो जाता है।
- इससे दूध के जमने (अम्लीकरण) की प्रक्रिया में देरी होती है, जिससे दूध लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।
- यह स्वाद या क्रीम में सुधार नहीं करता है; इसकी मुख्य भूमिका खट्टापन को धीमा करना है।

**Information Booster:**

- बेकिंग सोडा का रासायनिक नाम: सोडियम बाइकार्बोनेट ( $\text{NaHCO}_3$ )।
- घोल में, गर्म करने पर यह  $\text{CO}_2$  मुक्त करता है (बेकिंग पाउडर के आधार पर)।
- इसका उपयोग बेकिंग पाउडर, एंटासिड और अग्निशामक बनाने में किया जाता है।
- बैक्टीरिया द्वारा लैक्टोज को लैक्टिक एसिड में परिवर्तित करने के कारण दूध खट्टा हो जाता है।
- अम्लों को क्षारों के साथ उदासीन करने की क्रिया उदासीनीकरण अभिक्रिया कहलाती है।

**Q.87** भारत के राष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित विवादों को सुलझाने के लिए कौन सा निकाय जिम्मेदार है?

- निर्वाचन आयोग
- सर्वोच्च न्यायालय
- लोक सभा
- राज्य सभा

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है: (b) सर्वोच्च न्यायालय।

**स्पष्टीकरण:**

- भारत के राष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित विवादों का निपटारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 71 के अनुसार भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया जाता है।
- चुनाव आयोग (विकल्प a) राष्ट्रपति चुनाव कराने के लिए ज़िम्मेदार है, लेकिन विवादों को सुलझाने के लिए अधिकृत नहीं है।
- लोकसभा (विकल्प c) और राज्यसभा (विकल्प d) संसद के विधायी निकाय हैं और चुनावी विवादों को नहीं संभालते हैं।

**संबंधित अनुच्छेद:**

- अनुच्छेद 71: भारतीय संविधान का यह अनुच्छेद विशेष रूप से राष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित विवादों और ऐसे विवादों के समाधान के तरीकों से संबंधित है, जिसमें कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय को ऐसे विवादों के समाधान का अधिकार होगा।
- अनुच्छेद 324: यह भारत के चुनाव आयोग को राष्ट्रपति चुनाव सहित सभी चुनावों की निगरानी का अधिकार प्रदान करता है, लेकिन विवादों के समाधान का नहीं।
- अनुच्छेद 53: भारत के राष्ट्रपति में निहित कार्यकारी शक्तियों से संबंधित है।

**Q.88** निम्नलिखित में से कौन 'औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या' जारी करता है?

- भारतीय रिजर्व बैंक
- आर्थिक कार्य विभाग
- श्रम ब्यूरो
- कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (c) श्रम ब्यूरो है।

**स्पष्टीकरण:**

- औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-IW) श्रम और रोजगार मंत्रालय के श्रम ब्यूरो द्वारा मासिक प्रकाशित किया जाता है।
- यह औद्योगिक श्रमिकों द्वारा अनुभव की गई मुद्रास्फीति को मापता है, जिससे मजदूरी संशोधन और नीति-निर्माण में मदद मिलती है।

**सूचना बूस्टर:**

- CPI-IW के लिए आधार वर्ष: 2016=100
- विचारणीय घटक: खाद्य, ईंधन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, और विविध वस्तुएँ/सेवाएँ
- CPI-IW का उपयोग केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (DA) की गणना के लिए किया जाता है।

**अतिरिक्त जानकारी:**

- अन्य सूचकांक भी हैं: CPI-ग्रामीण, CPI-शहरी, WPI (थोक मूल्य सूचकांक)।
- CPI मौद्रिक नीति के लिए महत्वपूर्ण है, जो RBI के ब्याज दर संबंधी निर्णयों का मार्गदर्शन करता है।

**Q.89** अकबर द्वारा प्रारम्भ की गई मनसबदारी प्रणाली, जिस प्रणाली से ली गई थी वह कहाँ प्रचलित थी?

- अफगानिस्तान
- तुर्की
- मंगोलिया
- पर्सिया

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (c) मंगोलिया है।

- मनसबदारी व्यवस्था एक पदानुक्रमित प्रशासनिक व्यवस्था थी जिसमें अधिकारियों को पद (मनसब) दिए जाते थे और उन्हें सैन्य एवं नागरिक ज़िम्मेदारियाँ सौंपी जाती थीं।
- अकबर ने इस व्यवस्था को तैमूर और चंगेज खान द्वारा शुरू की गई मंगोल सैन्य-प्रशासनिक प्रथाओं से अपनाया था।

**सूचना वर्धक:**

- मनसबदारों को पद और ज़िम्मेदारियों के आधार पर 10 से 10,000 तक वर्गीकृत किया जाता था।
- वे सम्राट को सेना प्रदान करते थे और उन्हें वेतन दिया जाता था या भू-राजस्व अधिकार (जागीरें) दिए जाते थे।

**अतिरिक्त जानकारी:**

- इस व्यवस्था ने अकबर को साम्राज्य-व्यापी प्रशासन को सुदृढ़ करने और सामंती विद्रोह को कम करने में मदद की।
- साम्राज्य के पतन तक यह मुगल सेना और नौकरशाही की रीढ़ बनी रही।

**Q.90** उपग्रह और पृथ्वी के बीच आकर्षण का गुरुत्वाकर्षण बल \_\_\_\_\_ को जन्म देता है।

- अभिकेन्द्रीय बल
- तनाव
- अपकेन्द्रीय बल
- ग्रहीय बल

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर (a) अभिकेन्द्रीय बल है

**स्पष्टीकरण:**

- एक उपग्रह पृथ्वी के चारों ओर लगभग वृत्ताकार पथ पर घूमता है
- वृत्तीय गति के लिए, वस्तु को केंद्र की ओर खींचने के लिए एक **केन्द्रीय बल** की आवश्यकता होती है।
- यहाँ, **पृथ्वी और उपग्रह के बीच गुरुत्वाकर्षण आकर्षण अभिकेन्द्रीय बल के रूप में कार्य करता है।**
- यह बल उपग्रह को कक्षा में बनाए रखता है और उसे सीधी रेखा में उड़ने से रोकता है।
- गुरुत्वाकर्षण के बिना, उपग्रह अंतरिक्ष में स्पर्शरिखीय रूप से गति करेगा।

**Information Booster:**

- अभिकेन्द्रीय बल → हमेशा वृत्ताकार पथ के केंद्र की ओर निर्देशित।
- अपकेन्द्रीय बल → घूर्णन फ्रेमों में महसूस किया जाने वाला एक छद्म बल, वास्तविक बल नहीं।
- उपग्रह का कक्षीय वेग  $\rightarrow v = \sqrt{\frac{GM}{R+h}}$
- गुरुत्वाकर्षण बल कक्षीय गति के लिए आवश्यक त्वरण प्रदान करता है।
- उपग्रह पृथ्वी के चारों ओर मुक्त रूप से गिरते हैं, जो कक्षा के रूप में दिखाई देता है।

**Q.91** निम्नलिखित में से कौन अवध मैदान की मुख्य नदी है?

- यमुना
- घाघरा
- सोन
- गंडक

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) घाघरा

**स्पष्टीकरण:**

अवध का मैदान (मध्य उत्तर प्रदेश) → घाघरा नदी और उसकी सहायक नदियों का प्रभुत्व। उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी चावल और गेहूँ की खेती के लिए उपयुक्त है।

**Information Booster:**

→ घाघरा, तिब्बत (मत्स्यंगंगा) से निकलने वाली गंगा की एक प्रमुख सहायक नदी है।

**Additional information (अन्य विकल्प):**

**विकल्प (A) यमुना** → पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहती है, अवध में नहीं।

**विकल्प (C) सोन** → बिहार में बहती है।

**विकल्प (D) गंडक** → पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार।

**Q.92** सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

सूची -I                      सूची -II

A. 1854    I. चार्ल्स वुड का शिक्षा पर प्रेषण

B. 1882    II. सैडलर विश्वविद्यालय आयोग

C. 1904    III. हंटर शिक्षा आयोग

D. 1917IV. भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम

- A. A-1, B-3, C-4, D-2  
 B. A-4, B-3, C-2, D-1  
 C. A-2, B-4, C-3, D-1  
 D. A-3, B-2, C-1, D-4

**Answer:** A

**Sol: Correct Answer: (A)**

**Explanation:**

- 1854: वुड्स डिस्पैच - "भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्रा कार्टा।"
- 1882: हंटर आयोग - प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा।
- 1904: भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम - लॉर्ड कर्जन के सुधार।
- 1917: सैडलर आयोग - कलकत्ता विश्वविद्यालय का सुधार।

**Q.93** सुधार के बाद एसी, रेफ्रिजरेटर, टीवी और वाशिंग मशीन जैसे उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए जीएसटी दर क्या है?

- A. 5%  
 B. 12%  
 C. 18%  
 D. 28%

**Answer:** C

**Sol:** उत्तर: (c) 18%

**व्याख्या:**

- उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर कर **28% से घटाकर 18%** कर दिया गया है।
- इससे **खुदरा कीमतें कम होंगी**, जिससे **मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए उपकरण अधिक सुलभ होंगे**।
- **खुदरा, विनिर्माण और संबद्ध क्षेत्रों में मांग बढ़ने की उम्मीद है**।

**Information Booster:**

- "मेक इन इंडिया" के तहत घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने में मदद करता है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण क्षेत्र में रोजगार सृजन का समर्थन करता है।

**Q.94** बिहार के कौन से राज्यपाल भारत के राष्ट्रपति बने?

- A. प्रतिमा पाटिल  
 B. प्रणब मुखर्जी  
 C. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम  
 D. रामनाथ कोविंद

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर (d) रामनाथ कोविंद है।

**Explanation:**

- भारत के 14वें राष्ट्रपति बनने से पहले रामनाथ कोविंद बिहार के राज्यपाल थे।
- उन्होंने 2015 से 2017 तक बिहार के राज्यपाल के रूप में कार्य किया।
- कोविंद 2017 में प्रणब मुखर्जी के बाद राष्ट्रपति चुने गए।
- राष्ट्रपति के रूप में, कोविंद भारतीय राज्य के प्रमुख बने और उन्होंने देश के लोकतंत्र की रक्षा और संविधान को बनाए रखने के संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन किया।

**Information Booster:**

- रामनाथ कोविंद पेशे से वकील थे और बिहार के राज्यपाल और अंततः राष्ट्रपति बनने से पहले उन्होंने संसद सदस्य के रूप में कार्य किया था।
- राष्ट्रपति के रूप में उनका चुनाव महत्वपूर्ण था क्योंकि वे भारत के राष्ट्रपति का पद संभालने वाले दलित पृष्ठभूमि के पहले व्यक्ति थे।

**Additional Knowledge:**

(a) प्रतिमा पाटिल:

- प्रतिमा पाटिल, जिन्हें आमतौर पर प्रतिभा पाटिल के नाम से जाना जाता है, भारत की 12वीं राष्ट्रपति थीं, लेकिन वे कभी बिहार की राज्यपाल नहीं रहीं।
- उन्होंने 2007 से 2012 तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

(b) प्रणब मुखर्जी:

- प्रणब मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति थे, लेकिन राष्ट्रपति बनने से पहले वे बिहार के नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे।
- उन्होंने 2012 से 2017 तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

(c) ए. पी. जे. अब्दुल कलाम:

- भारत के 11वें राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम को "भारत का मिसाइल मैन" कहा जाता था।
- राष्ट्रपति बनने से पहले वे तमिलनाडु के राज्यपाल थे, लेकिन कभी बिहार के राज्यपाल नहीं रहे।

**Q.95** 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार के निम्नलिखित में से किस जिले में साक्षरता दर न्यूनतम है?

- पूर्णिया
- रोहतास
- कैमूर
- शिवहर

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: (a) पूर्णिया

**व्याख्या:**

- जनगणना 2011 के अनुसार, बिहार के सभी जिलों में पूर्णिया जिले की साक्षरता दर सबसे कम दर्ज की गई।
- पूर्णिया की साक्षरता दर: **52.49%**
- यह राज्य के औसत **61.80%** से काफी कम है।
- जिले में कम साक्षरता का कारण सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ, अवसरों की कमी, और लैंगिक असमानताएँ हैं।
- पूर्णिया में महिला साक्षरता पुरुषों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम थी।

**Information Booster:**

- 2011 में बिहार का साक्षरता दर के मामले में पूरे भारत में सबसे निचला दर्जा था।
- बिहार में सबसे अधिक साक्षरता रोहतास जिले में थी (**लगभग 75.59%**)।

**Additional Knowledge:**

**रोहतास**

- बिहार में उच्च साक्षरता दर वाले जिलों में से एक।
- अन्य जिलों की तुलना में बेहतर शैक्षिक अवसरों के लिए जाना जाता है।

**कैमूर**

- जनगणना 2011 में साक्षरता दर राज्य औसत (~69.34%) से ऊपर थी।
- बिहार में सबसे कम नहीं।

**शिवहर**

- छोटा और कम विकसित जिला होने के बावजूद, पूर्णिया से बेहतर साक्षरता दर (~58.17%) थी।

**Q.96** 2 नवंबर 2025 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने किस प्रक्षेपण स्थल से उन्नत नौसैनिक संचार उपग्रह GSAT7R (CMS-03) को कक्षा में तैनात किया?

- सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा
- विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम
- यू.आर. राव उपग्रह केंद्र, बेंगलुरु
- थुंबा इन्फ्रारेड रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन, थुंबा

Answer: A

**Sol:** सही उत्तर (a) सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा है

**व्याख्या:**

- इसरो ने 2 नवंबर 2025 को **GSAT-7R** (जिसे **CMS-03** के रूप में भी नामित किया गया है) लॉन्च किया।
- यह प्रक्षेपण आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थित **सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC)**, शार से हुआ।
- GSAT-7R एक **उन्नत नौसैनिक संचार उपग्रह** है जिसे भारतीय नौसेना की सुरक्षित संचार क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह 2013 में लॉन्च किए गए **GSAT-7 (रुक्मिणी)** के प्रतिस्थापन/अनुवर्ती के रूप में कार्य करता है।
- यह उपग्रह **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR)** पर एक विस्तृत पदचिह्न प्रदान करता है, जो जहाजों और विमानों के लिए वास्तविक समय की डेटा लिंक क्षमताओं का समर्थन करता है।

**Information Booster:**

- **सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र** कक्षीय प्रक्षेपणों के लिए भारत का प्राथमिक अंतरिक्ष बंदरगाह है।
- **GSAT-7** श्रृंखला विशेष रूप से **भारतीय सशस्त्र बलों** (नौसेना/सेना/वायु सेना विशिष्ट उपग्रहों) को समर्पित है।

**Additional Knowledge:**

**विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र** (विकल्प b)

- केरल में स्थित, यह प्रक्षेपण यान विकास (रॉकेट) के लिए **प्रमुख केंद्र** है, न कि भारी उपग्रहों के लिए प्रक्षेपण स्थल।

**यूआर राव उपग्रह केंद्र** (विकल्प c)

- बेंगलुरु में स्थित, यह उपग्रहों को **डिज़ाइन करने और बनाने** के लिए जिम्मेदार है, न कि उन्हें लॉन्च करने के लिए।

**थुंबा इलेक्ट्रॉनिक रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन** (विकल्प d)

- मुख्य रूप से **साउंडिंग रॉकेट** (उप-कक्षीय अनुसंधान) के लिए उपयोग किया जाता है, उन्नत संचार उपग्रहों को कक्षा में तैनात करने के लिए नहीं।

इसलिए सही उत्तर (a) है

**Q.97** अर्थव्यवस्था का कौन सा क्षेत्र उद्योग और विनिर्माण से संबंधित है?

- द्वितीयक
- तृतीयक
- अनौपचारिक
- प्राथमिक

Answer: A

**Sol:** सही उत्तर: (a) द्वितीयक है।

- अर्थव्यवस्था का **द्वितीयक क्षेत्र** उद्योग और विनिर्माण से संबंधित है।
- यह क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र से कच्चे माल को तैयार माल में परिवर्तित करने के लिए जिम्मेदार है, जैसे कि **कारखानों** और **निर्माण** में।
- इसमें कपड़ा, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और निर्माण जैसे उद्योग शामिल हैं।

**Information Booster:**

- **द्वितीयक क्षेत्र** कच्चे माल का मूल्य संवर्धन करके और औद्योगिक प्रक्रियाओं में रोज़गार के अवसर पैदा करके **आर्थिक विकास** में योगदान देता है।
- यह क्षेत्र अक्सर विकासशील देशों के औद्योगीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

**Additional Knowledge:**

- **(B) तृतीयक:** तृतीयक क्षेत्र विनिर्माण के बजाय सेवाओं पर केंद्रित है, जैसे स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, वित्त और खुदरा।
- **(C) अनौपचारिक:** अनौपचारिक क्षेत्र उन आर्थिक गतिविधियों को संदर्भित करता है जो सरकार द्वारा विनियमित नहीं होती हैं या आधिकारिक आँकड़ों में शामिल नहीं होती हैं। यह सीधे तौर पर विनिर्माण से संबंधित नहीं है।
- **(D) प्राथमिक:** प्राथमिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन शामिल है, जैसे खेती, खनन और मछली पकड़ना, लेकिन इसमें विनिर्माण शामिल नहीं है।

**Q.98** मार्च 2026 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने IVFRT योजना के विस्तार को मंजूरी दी। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. योजना को ₹1,800 करोड़ के बजटीय परिव्यय के साथ 31 मार्च, 2031 तक बढ़ा दिया गया है।
2. इसे विदेश मंत्रालय द्वारा पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है।
3. यह योजना राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP) के तहत एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है।
4. इसका उद्देश्य आव्रजन, वीज़ा और विदेशी पंजीकरण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है।

- केवल 1, 3 और 4
- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- उपरोक्त सभी

Answer: A

**Sol:** उत्तर (a) केवल 1, 3 और 4

**व्याख्या**

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुमोदित IVFRT योजना का विस्तार उन्नत डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करके भारत की आव्रजन प्रणाली को आधुनिक बनाने पर केंद्रित है।

- योजना को **5 वर्षों (अप्रैल 2026-मार्च 2031)** के लिए **₹1,800 करोड़** के परिव्यय के साथ बढ़ाया गया है
- इसका उद्देश्य **आव्रजन, वीज़ा प्रसंस्करण और विदेशी पंजीकरण प्रणालियों को एकीकृत करना** है
- यह **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP)** के तहत एक **मिशन मोड प्रोजेक्ट** है
- इसे **आप्रवासन ब्यूरो (BoI)** के माध्यम से **गृह मंत्रालय (MHA)** द्वारा कार्यान्वित किया जाता है

कथन 2 गलत है क्योंकि योजना का कार्यान्वयन विदेश मंत्रालय द्वारा नहीं किया जाता है।

#### Information Booster

IVFRT योजना सीमा और आव्रजन प्रबंधन में डिजिटल शासन के लिए एक प्रमुख पहल है।

- पूर्ण रूप: **Immigration, Visa, Foreigners Registration & Tracking**
- आव्रजन चौकियों पर वास्तविक समय डेटा साझाकरण सुनिश्चित करती है
- राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी नागरिकों की निगरानी को बढ़ाती है
- ऑनलाइन वीजा और पंजीकरण सेवाओं का समर्थन करती है
- आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के साथ एकीकृत है

#### Additional Knowledge

- शुरू में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CEA) द्वारा मई 2010 में अनुमोदित
- मूल परिव्यय: ₹1,011 करोड़
- कार्यान्वयन निकाय: गृह मंत्रालय के तहत आप्रवासन ब्यूरो (BoI)
- नए चरण में फोकस क्षेत्र:
- उभरती प्रौद्योगिकियां (AI, बायोमेट्रिक्स, ऑटोमेशन)
- बुनियादी ढांचे का परिवर्तन
- सेवा अनुकूलन और दक्षता

**Q.99** साधारण नमक का अनुमानित आणविक भार कितना है?

- 14 ग्राम/मोल
- 28 ग्राम/मोल
- 117 ग्राम/मोल
- 58 ग्राम/मोल

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर: D

स्पष्टीकरण:

- साधारण नमक = सोडियम क्लोराइड (NaCl).
- सोडियम (Na) का परमाणु द्रव्यमान = 23 ग्राम/मोल
- क्लोरीन (Cl) का परमाणु द्रव्यमान = 35.5 ग्राम/मोल
- आणविक भार = 23 + 35.5 = 58.5 ग्राम/मोल  $\approx$  58 ग्राम/मोल

#### Information Booster:

- साधारण नमक को रासायनिक रूप से सोडियम क्लोराइड (NaCl) कहा जाता है।
- यह Na<sup>+</sup> और Cl<sup>-</sup> आयनों वाला एक आयनिक यौगिक है।
- मानव जीवन के लिए आवश्यक; कोशिकाओं में परासरण संतुलन बनाए रखता है।
- खाद्य, परिरक्षण और रासायनिक उद्योगों में उपयोग किया जाता है।
- प्राकृतिक रूप से समुद्री जल और सेंधा नमक (हैलाइट) में पाया जाता है

**Q.100** निम्नलिखित में से कौन सा बंदरगाह "डिजिटल द्विन" प्लेटफॉर्म लॉन्च करने वाला भारत का पहला बंदरगाह बन गया?

- दीनदयाल पोर्ट
- जवाहरलाल नेहरू पोर्ट
- वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट
- पारादीप पोर्ट

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर (c) वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट है।

#### व्याख्या:

- वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी ने डिजिटल द्विन पहल शुरू करने वाला भारत का पहला बंदरगाह बनकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- यह पहल देश के भीतर स्मार्ट, कुशल और प्रौद्योगिकी संचालित समुद्री संचालन के निर्माण में एक बड़ी प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है।
- इस प्लेटफॉर्म का आधिकारिक उद्घाटन 23 फरवरी, 2026 को किया गया था।
- इस डिजिटल परिवर्तन का उद्देश्य बंदरगाह को भारत के लिए एक स्मार्ट समुद्री प्रवेश द्वार (smart maritime gateway) के रूप में स्थापित करना है।

#### Information Booster:

- इस प्लेटफॉर्म का उद्घाटन केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा किया गया था।
- इस परियोजना के कार्यान्वयन को परिचालन स्थिरता और सुचारू एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए चरणों में किया जा रहा है।

#### Additional Knowledge:

- जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (विकल्प b): नवी मुंबई में स्थित, यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट है और 100% लैंडलॉर्ड पोर्ट (Landlord Port) बनने वाला पहला प्रमुख बंदरगाह था।
- पारादीप पोर्ट (विकल्प d): ओडिशा में स्थित, यह भारत के पूर्वी तट पर एक प्रमुख प्राकृतिक, गहरे पानी का बंदरगाह है।